दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्ष: 31 | अंक: 221 | भोपाल, सोमवार 24 अगस्त 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

महंगाई की मार...प्याज, तेल, चीनी, दूध और दालों ने बिगड़ा रसोई का बजट, इथेनॉल नीति की भेंट चढ़ी गरीबों की मिठास!

मप्र में गरीबों की शक्कर बंद!

नई दिल्ली/भोपाल। देशवासियों पर एक बार फिर महंगाई की मार पड़ी है। पिछले एक हफ्ते के दौरान देशभर में खाने-पीने की चीजें महंगी हुई हैं। चीनी के दाम के साथ-साथ प्याज, टमाटर, दूध और तेल की कीमतें भी बढ़ी हैं। इसके अलावा, दाल की कीमतों में भी उछाल आया है और आगे भी तेजी का अनुमान लगाया गया है। रसोई के इन चीजों की कीमतों को थामने के लिए सरकार एक्टिव तो हो गई है, लेकिन महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह में चीनी की कीमतें 7 रुपये तक चढ़ गई हैं और एक महीने के दौरान इसमें 17 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है, जिस कारण चीनी अब 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। वहीं मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का दावा उस वक्त सवालों के घेरे में आ गया, जब प्रदेश के अति-गरीब परिवारों के राशन से मिठास गायब हो गई। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से अति गरीबी रेखा में आने वाले लगभग 12 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को मिलने वाली 20 रुपये प्रति किलो की रियायती शक्कर अप्रैल माह से पूरी तरह बंद है। एक तरफ खुले बाजार में शक्कर की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अति-गरीब परिवारों को मिलने

वाला कोटा ठप होना प्रशासनिक दावों और सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े करता है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के एईपीडीएस पोर्टल पर हमारी पड़ताल में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 12,51,418 किलो शक्कर का आवंटन, फरवरी में 12,35,167 किलो शक्कर का आवंटन, मार्च 12,58,320 किलो शक्कर का आवंटन और अप्रैल से अगस्त तक आवंटन पूरी तरह शून्य रहा है। इस संबंध में जब मैदानी अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने साफ शब्दों में पल्ला झाड़ते हुए कहा कि शक्कर का आवंटन ऊपर (शासन/केंद्र स्तर) से ही नहीं आ रहा है, जिसके कारण वितरण संभव नहीं है। इथेनॉल नीति पर बिफरा विपक्ष शक्कर की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर राजनीतिक गलियारों में जुबानी जंग तेज हो गई है। इंडियन नेशनल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया से लेकर जमीनी स्तर पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार गन्ने का उपयोग बड़े पैमाने पर इथेनॉल बनाने के लिए कर रही है। इथेनॉल उत्पादन की वजह से चीनी मिलों में शक्कर का उत्पादन गिरा है। उत्पादन कम होने से बाजार में शक्कर के दाम बेतहाशा बढ़े हैं।

महंगाई की दोहरी मार

रियायती शक्कर बंद होने से गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। जमीनी हालात बताते हैं कि जो 50 किलो की बोरी पहले 2,000 रुपये में मिलती थी, वह अब 3,225 रुपये की हो चुकी है। बाजार में शक्कर 65 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। शक्कर महंगी होने से आम दुकानों पर 10 रुपये में मिलने वाली चाय अब 15 रुपये में मिल रही है। एक तरफ गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति पर उठते सवाल और दूसरी तरफ पीडीएस दुकानों से अप्रैल से शक्कर गायब होना-इस पूरे प्रकरण ने विपक्ष को और हमलावर कर दिया है। सवाल यह है कि बाजार में लगभग दोगुनी कीमत पर बिक रही शक्कर के बीच 12 लाख अंत्योदय कार्ड धारकों को उनका हक कब मिलेगा? चीनी की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए सरकार तीन स्तरों पर काम कर रही है। बाजार में आपूर्ति बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर तक ड्यूटी फ्री 10 लाख टन आयात की मंजूरी दी है। इसके साथ ही जमाखोरी को रोकने के लिए स्टाक सीमा तय कर दी गई है। तीसरा-घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए चीनी मिलों से इस बार जल्द यानी 15 अक्टूबर से पेराई शुरू करने को कहा है। ताकि नई फसल आने के बाद त्योहारों तक पर्याप्त चीनी उपलब्ध हो।

आफत बनी मूसलाधार बारिश, पुल-पुलियों के ऊपर बहा पानी, छत्तीसगढ़ में स्कूल से लौट रहे 3 बच्चे नदी में बहे, मौत

सीधी में अरबो की सड़क बही

भोपाल/रायपुर। मप्र की तरह उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यहां बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मध्य प्रदेश के सीधी में 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए, तीसरा लापता है। पन्ना में उफनती नदी में एक डंपर बह गया। डिंडौरी करंजिया जनपद क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से जारी रुक-रुककर और तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार शाम से रविवार को गरज-चमक के साथ हुई मूसलाधार बारिश के बाद जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों का पानी उफान पर आ गया। नतीजा, ग्रामीण इलाकों की पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने लगा और कई गांवों का संपर्क घंटों तक कटा रहा। मध्य प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का दौर बना रहा। बारिश के बीच सीधी में करीब छह महीने पहले बनी 104 करोड़ रुपए की सड़क का बड़ा हिस्सा पानी के तेज बहाव में बह गया। पन्ना के धरमपुर थाना क्षेत्र में कालिंजर से अजयगढ़ आ रहा डंपर शहपुरा नदी के तेज बहाव में बह गया। चालक सनी उर्फ रोहित सिंह ने तैरकर अपनी जान बचा ली। सतना जिले के नागौद क्षेत्र के ललचहा-इटमा नाले में शुक्रवार देर रात तेज बहाव के दौरान बाइक समेत तीन लोग बह गए। बालेंद्र सिंह और दीपू पांडेय तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, जबकि तीसरा व्यक्ति बहकर लापता हो गया। छतरपुर जिले के महाराजपुर के हरपई पुरवा में बारिश के दौरान कुम्हेड़ नदी का जलस्तर बढ़ने से करीब 250-300 लोगों की परेशानी बढ़ गई।

सार-समाचार

नेस्ले-पेप्सिको समेत कंपनियों को 150 नोटिस

नई दिल्ली। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं। भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था एफएसएसएआई ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं। अमेजन के एक वेयरहाउस का लाइसेंस भी रद्द किया गया है। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस संस्थानों को 30 से ज्यादा नोटिस जारी किए हैं। डोमिनोज के पांच लाइसेंस निलंबित किए गए हैं।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार की संदिग्ध मौत

ढाका। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक गणपति चक्रवर्ती, उनकी पत्नी प्रीतिलता, बेटी अगामी और 12 वर्षीय बेटा प्रियम शनिवार रात अपने बंद घर में मृत मिले। मां-बेटी सीढ़ियों पर, पिता छत और बेटे का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों के अनुसार, गुरुवार रात से चारों के मोबाइल फोन बंद थे। पुलिस ने ताला तोडकर घर में प्रवेश किया, जहां शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। मामले की जांच पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच कर रही है। फिलहाल मौत की वजह, समय और घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है। शहर के दशपाड़ा (मछुआपाड़ा) इलाके में स्थित एक मकान से शनिवार रात करीब 11:30 बजे चारों के शव बरामद किए गए। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) नाजमुल कादर ने बताया कि मकान अंदर से नहीं, बल्कि बाहर से बंद था और पुलिस ने ताला तोडकर अंदर प्रवेश करने के बाद शव बरामद किए। परिजनों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, गणपति चक्रवर्ती पिछले साल 31 दिसंबर को रंगपुर जिला स्कूल से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी बेटी अगामी ने इसी साल रंगपुर के कारमाइकल कॉलेज से अंग्रेजी विषय में मास्टर डिग्री पूरी की थी। वहीं, उनका 12 वर्षीय बेटा प्रियम रंगपुर जिला स्कूल में कक्षा 5 का छात्र था।

तबाह जैश हेडक्वार्टर फिर तैयार

बहावलपुर। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है। इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है। 2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था। 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने जैश को मरम्मत के लिए 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए। मदरसा अल-सबीर और जैश कमांडरों के रहने के लिए इस्तेमाल होने वाले एरिया का भी दोबारा निर्माण भी किया जा रहा है।

इसरो अब खुद रॉकेट बनाने का काम धीरे-धीरे बंद करेगा

नई दिल्ली। भारत के स्पेस सेक्टर में बड़ा बदलाव होने वाला है। इसरो अब खुद रॉकेट बनाने का काम धीरे-धीरे बंद करेगा। आगे रॉकेट बनाने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों और कुछ सरकारी कंपनियों को दी जाएगी। इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने बताया कि इसरो अब रिसर्च, नई टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक मिशन और जरूरी स्पेस सिस्टम पर ज्यादा ध्यान देगा। इस बदलाव का मकसद देश में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाना और स्पेस सेक्टर को तेजी से आगे बढ़ाना है। पवन गोयनका ने कहा कि आने वाले समय में इसरो कोई रॉकेट खुद नहीं बनाएगा। रॉकेट बनाने का काम प्राइवेट सेक्टर या पीएसयू को दिया जाएगा। इसकी शुरूआत एसएसएलवी से हो चुकी है।

सीजेपी ने आरोप लगाते हुए कहा- अभी तक वादों को नहीं किया गया पूरा

युवाओं से खोखले वादे और घोषणाएं केंद्र को पड़ेगा भारी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने एक बार फिर बड़ा ऐलान किया है। सीजेपीने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक उनसे किए वादों को पूरा नहीं किया है। लगता है सरकार ने सिर्फ खोखले वादे कर उन्हें धोखा दिया है। सीजेपी ने सरकार से अपील की है कि अगर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो एक ओर विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। सीजेपी ने केंद्र सरकार पर युवाओं को धोखा देने और उनका भरोसा तोड़? का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार अक्सर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए वादे तो करती है, लेकिन सडकें खाली होने के

बाद उनसे मुकरने की कोशिश करती है। भारत के युवाओं से किए गए वादों को पूरा किया जाना चाहिए। सीजेपी ने कहा कि छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए कोर्ट से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, सरकार ने अभी तक संबंधित लिस्ट जमा नहीं की है। जबकि समय रहते हुए सरकार को ये काम करना चाहिए। देश के युवाओं के साथ विश्वासघात सीजेपी ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार देश के युवाओं को धोखा देने की कोशिश कर रही है, जबकि विरोध प्रदर्शन को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के वादे के आधार पर वापस लिया गया था। सीजेपी ने कहा कि किए गए वादों को कमजोर करने, उनमें देरी करने, गलत अर्थ निकालने या उनका अनादर करने की किसी भी कोशिश को भरोसे का अस्वीकार्य उल्लंघन और देश के युवाओं के साथ विश्वासघात माना जाएगा। सीजेपी ने आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी है और आंदोलन को फिर से शुरू करने का संकेत दिया है।

अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील लगभग फाइनल

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील अब लगभग फाइनल स्टेज में पहुंच गई है। भारत में अमेरिका के एंबेसडर सर्जियो गोर ने कहा कि डील के ज्यादातर हिस्सों पर सैद्धांतिक तौर पर सहमति बन चुकी है। अब सिर्फ लीगल और टेक्निकल भाषा से जुड़े कुछ पॉइंट्स को फाइनल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो अक्टूबर में एक बार फिर भारत आएंगे। गोर ने कहा कि ट्रेड डील में सैद्धांतिक रूप से लगभग सब कुछ पूरा हो चुका है। अमेरिका फिलहाल डील के कुछ टेक्स्ट को दोबारा सेट कर रहा है। उन्होंने कहा कि डील को फाइनल होने में समय इसलिए लग रहा है।

महोबा मे अंतरिक्ष विज्ञानं पर हुआ कार्यक्रम आयोजित

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा मे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान, वैज्ञानिक सोच, तकनीकी समझ एवं नवाचार की भावना विकसित करने के उद्देश्य से रविवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली से आई स्पेश इण्डिया की विशेषज्ञ टीम द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। मुख्यालय के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मे कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों में राकेट साइंस वर्कशाप विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को रॉकेट के सिद्धांत एवं प्रक्षेपण की प्रक्रिया को गतिविधि आधारित तरीके से समझाया गया। विद्यार्थियों ने स्वयं पेपर रॉकेट एवं गैस रॉकेट तैयार किए तथा उनका सफल तरीके लॉन्च भी किया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने हाइड्रो रॉकेट (वाटर रॉकेट)तैयार कर उसका भी सफल प्रक्षेपण किया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने रॉकेट के पीछे कार्य करने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रयोग एवं प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझा।

जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट में दावा...

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

जहां एआई से नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है। नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को के-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है

नई दिल्ली। एआईभारत में नौकरियों पर खतरा है। जापानी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नोमुरा की रिपोर्ट इस बात को झुठला रही है। नोमुरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एआई नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से टीआई सेक्टर में जूनियर्स और फ्रेशर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत, चीन और फिलीपींस उन देशों में शामिल हैं, जहां एआई से नौकरियों का ग्राफ ऊपर गया है। नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को के-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा एआईका इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है। कर्मचारियों को बल्क में निकालने की जगह नई भर्तियां कम हुई कंपनियां पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं। इसे साइलेंट फायरिंग कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंपनियों ने कॉलेज कैंपस में जाकर होने वाले प्लेसमेंट को लगभग कम कर दिया है। टेक सेक्टर में 90 प्रतिशत नई नौकरियां एआईकी वजह से जो भी नए रोजगार पैदा हो रहे हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा नौकरियां अकेले टेक्नोलॉजी सेक्टर में आ रही हैं। बाकी सभी सेक्टर्स में हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी कम है। भारत में सबसे ज्यादा डेटा एनोटेशन (डेटा को एआई के लिए तैयार करना), भाषा विज्ञान और एआई से जुड़ी टीआई सर्विसेज में नई भर्तियां हो रही हैं। भारत में जहां सपोर्ट और सर्विस वाली नौकरियां आ रही हैं, वहीं चीन में नया एआईमॉडल बनाने और डेवलप करने के लिए हाई-स्किल्ड ग्रेजुएट्स काम पर रख रहे हैं। टेक्नोलॉजी से अलग अन्य सेक्टर्स में गिने-चुने पद ही आ रहे हैं, जैसे बैंकों में एआई रिस्क एनालिस्ट या बिना ड्राइवर वाली गाड़ियों के एक्सपर्ट्स। भारत के लिए आगे की राह और बड़ी परीक्षा भारत पूरी दुनिया का बैक-ऑफिस (टीआई और सर्विस हब) है। जिन आसान और रूटीन कामों के दम पर भारत का आईटी सेक्टर खड़ा है, उन्हें अब एआई बहुत आसानी से कर रहा है। इससे हमारे यहां की पारंपरिक नौकरियों पर बड़ा खतरा है। खतरा जरूर है, लेकिन भारत के पास लाखों इंजीनियर्स और टेक टैलेंट का बड़ा पूल भी है। अगर हम खुद को अपग्रेड कर लें, तो एआईके दौर में आने वाले नए और बड़े अवसरों का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। एआईअब सिर्फ छोटे-मोटे सीधे काम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खुद फैसले लेने वाले एजेंटिक सिस्टम के रूप में तेजी से बदल रहा है। आने वाले कुछ साल रोजगार बाजार को पूरी तरह बदल देंगे।

किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से की बातचीत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अशोक नगर के बलराम कृषि महोत्सव में कहा था कि किसान का अर्थ ही स्वावलंबन है, अपने बलबूतों पर अपने परिवार के साथ संपूर्ण समाज के पालन पोषण के लिए अन्न का कटोरा भरने का सार्मथ्य किसानों में ही है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के किसान भाइयों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी का परिणाम है कि बलराम कृषि महोत्सव में आधुनिक तकनीकों की जानकारी के साथ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी व्यस्तताओं के बावजूद किसानों से संवाद अवश्य करते हैं। भले ही नई दिल्ली की व्यस्तता हो या प्रदेश के जिलों के अन्य प्रशासनिक दायित्व, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर जिले के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर ही कृषकों को कृषि की आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण और शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत दिवस नई दिल्ली से शिवपुरी के किसानों से वर्चुअली चर्चा की। इससे पहले वे अशोकनगर, गुना ,विदिशा, रायसेन, भोपाल राजगढ़ सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, उज्जैन, खरगोन आदि स्थानों पर हुए बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअल सहभागिता कर चुके हैं। जनजातीय बाहुल्य अलीराजपुर के महोत्सव में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं व्यक्तिगत रूप से सम्मिलित हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि किसान के समृद्ध और खुशहाल होने से ही संपूर्ण समाज अन्न और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। सीमा पर जवान और खेत में किसान की भूमिका समान है, दोनों ही देश के लिए समर्पित हैं। उनकी इस प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप ही राज्य सरकार पूर्ण संवेदनशीलता और सक्रियता से किसान हित में कार्य कर रही है। पूरा साल किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अशोक नगर के बलराम कृषि महोत्सव में कहा था कि किसान का अर्थ ही स्वावलंबन है, अपने बलबूतों पर अपने परिवार के साथ संपूर्ण समाज के पालन पोषण के लिए अन्न का कटोरा भरने का सार्मथ्य किसानों में ही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर किसानों की आय बढ़ाने, उनका जीवन स्तर उन्नत करने और उनके समग्र कल्याण के लिए आरंभ बलराम कृषि महोत्सव में जिला स्तर पर कृषि के उन्नत तकनीक के प्रदर्शन और विषय विशेषज्ञों से किसानों के सीधे संवाद की व्यवस्था की गई है। इन आयोजनों में किसानों को नवीन तकनीक और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को डिजिटल कृषि सेवा, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों और आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी भी दी जा रही है। कृषि विशेषज्ञ किसानों को बदलती जलवायु के अनुरूप खेती की नई पद्धतियों और जोखिम प्रबंधन के उपाय से भी अवगत करा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों को अपनी किसान आईडी बनाने के लिए भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। किसान आईडी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए डिजिटल कृषि मिशन का प्रमुख अंग है। आधार कार्ड के समान किसान आईडी किसानों के लिए एक विश्वसनीय डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। यह आईडी भू-अभिलेख, पशुधन स्वामित्व ,बोई गई फसल और प्राप्त लाभ सहित विभिन्न किसान संबंधित डेटा से जुड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रासायनिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से किसानों के स्वास्थ्य पर पड़ रहें असर के प्रति भी सर्तक हैं। मुख्यमंत्री किसानों को निरंतर प्राकृतिक खेती लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। यह मिट्टी, जल और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए उत्पादन बढ़ाने का मार्ग है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है। कम सिंचाई में भी फसल अच्छी होती है। जलवायु परिवर्तन के दौर में यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल बचाने का बड़ा अभियान है। प्राकृतिक खेती, रासायनिक खेती की बढ़ती लागत से किसानों को राहत देती है। यह खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाती है। इससे रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर निर्भरता कम होती है। उत्पादन लागत घटने से शुद्ध आय बढ़ती है। यह छोटे किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। प्राकृतिक खेती रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के घातक प्रभाव को कम करती है। विषमुक्त वातावरण में खेत और किसान दोनों सुरक्षित रहते हैं। स्वस्थ किसान ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, सोमवार 24 अगस्त 2026

संपादकीय

दागियों के भरोसे लोकतंत्र? मुकदमों के घेरे में 300 से ज्यादा सांसद

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।किसी भी समाज में यह उम्मीद की जाती है कि उनके जनप्रतिनिधि में उच्च स्तर की ईमानदारी, बेदाग छवि और दूरदर्शी सोच होनी चाहिए। एक आदर्श राजनेता उसे कहा जाता है, जो व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के कल्याण को प्राथमिकता दे। मगर जब कोई नेता गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो वह जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर कितना खरा उतर पाएगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें तीन सौ से ज्यादा सांसद तथा चौदह मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राजनीति में शुचिता के मानदंडों पर क्या सही मायने में अमल हो पा रहा है? साथ ही इस पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि राजनेताओं के लिए विशेष व्यवस्था के बावजूद उनके खिलाफ मुकदमे के निपटारे में इतना लंबा वक्त क्यों लग जाता है।

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। इसके बावजूद विधायिका में ऐसे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति बनी हुई है, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल सिर्फ मुकदमे जल्दी निपटाने का नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की मौजूदगी और जवाबदेही से भी है।इसमें दो राय नहीं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होना और उसका अपराध साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुकदमे का सामना करने वाले व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसे अदालत से दोषी न करार दिया जाए। मगर सवाल यह भी है कि जो समाज अपने नेता को एक आदर्श व्यक्ति के रूप में देखता है, अगर वह गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो उसे किस तरह देखा जाएगा?क्या इससे ईमानदार राजनीति की शुचिता प्रभावित नहीं होगी? नैतिकता का तकाजा तो यही है कि जब किसी जनप्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगें, तो वह विधायी पद से खुद को अलग कर ले, लेकिन आज के समय में ऐसे उदाहरण दुर्लभ हैं।

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है?

क्या जेन-जेड होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है? कारगिल में महिला पर्यटक के आचरण से उठे कई गंभीर सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है? बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर बहस करता पर्यटक समूह। महिला पर्यटक का यह तर्क कि हम जेन जेड हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे, दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। जेन जेड होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए। देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही नियंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई एंटी-टूरिस्ट रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं। बर्फीली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है। देश पुलवामा में सुरक्षा बलों के

काफिले पर हुए आतंकी हमले की भयावहता देख चुका है और पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले की त्रासदी भी झेल चुका है। ऐसे अनुभव साफ बताते हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर एक छोटी-सी चूक कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए पर्यटकों को यह समझना होगा कि जब सेना या सुरक्षा बल किसी रास्ते को बंद करते हैं या आगे बढ़ने से रोकते हैं, तो हर निर्णय के पीछे की वजह कैमरे के सामने बताना संभव नहीं होता।

ऐसे में जवान से बहस करना, वीडियो बनाकर उस पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाना या सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करना केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीरता को न समझ पाने का उदाहरण है। सुरक्षा के मामले में सहयोग और धैर्य ही समझदारी है, क्योंकि कई बार जिस खतरे को आम नागरिक देख नहीं सकता, उसे रोकने के लिए ही जवान वहां खड़ा होता है। साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते हैं कि वे सैकड़ों किलोमीटर दूर से वहां पहुंचे हैं। लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि लंबी यात्रा किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश का अधिकारपत्र नहीं बन जाती। यदि किसी क्षेत्र के लिए परमिट जरूरी है तो पहले उसकी जानकारी लेना और नियमों का पालन करना पर्यटक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से लद्दाख और अन्य संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में नियम परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। सैन्य प्रतिष्ठानों, चेक पोस्टों और रणनीतिक स्थानों पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित हो सकती है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू वह भाषा और रवैया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को व्यक्तिगत अधिकारों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश दिखाई देती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन संवेदनशील सैन्य चौकी पर ऑपरेशन या सुरक्षा प्रतिबंध के दौरान बहस करके आदेश बदलवाने का अधिकार किसी को नहीं है। संसद, टैक्स या किसी पीढ़ी का नाम लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को चुनौती देना न तो लोकतंत्र को मजबूत करता है और न ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करता है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली जोकि स्वाभाविक है। लोगों ने महिला पर्यटक और उसके साथियों के रवैये को अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। जेन जेड वाली टिप्पणी पर मीम्स भी बन रहे हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है। यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा किसी हैशटैग, नारे या वायरल वीडियो के हिसाब से नहीं चल सकती। सीमा पर तैनात सैनिक को अपना काम करने दीजिए।

जनगणना में सिर्फ आबादी नहीं, बदलती जलवायु का हिसाब भी जरूरी

(कुशाग्र राजेंद्र)

आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। देश एक बार फिर जनगणना की तैयारी में है। लंबे अंतराल के बाद होने वाली यह जनगणना स्वाभाविक रूप से अनेक प्रश्नों के केंद्र में है। क्या इसमें जातिगत गणना होगी? इससे कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राज्यों को संसाधनों का बंटवारा किस आधार पर होगा? ये सभी सवाल महत्त्वपूर्ण हैं और लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा भी, लेकिन इनके बीच एक बुनियादी सवाल लगभग अनुपस्थित है और यह कि क्या इक्कीसवीं सदी की जनगणना उन वास्तविकताओं को दर्ज करने के लिए तैयार है, जिनका सामना आज का भारत कर रहा है?जनगणना प्राय- केवल आबादी गिनने की प्रक्रिया मानी जाती है। जबकि यह किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक दृष्टि का दर्पण होती है। कोई भी सरकार जिन बातों को जानना आवश्यक समझती है, वही उसके प्रश्नों में दिखाई देती हैं। इसलिए जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग हैं, बल्कि यह भी बताती है कि राज्य अपने समाज को किस नजर से देख रहा है और भविष्य की चुनौतियों को किस प्रकार समझना चाहता है। स्वतंत्र भारत की जनगणना समय के साथ बदलती रही है। आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन, बैंकिंग सुविधा, मोबाइल फोन और इंटरनेट जैसी जानकारियां इनमें क्रमशः जुड़ती गईं। इनसे शासन को विकास योजनाएं बनाने, सामाजिक असमानताओं को समझने और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लक्षित करने में बड़ी सहायता मिली। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिक भारत के निर्माण में जनगणना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। उत्तर भारत में तीव्र हो रही लू, भीषण गर्मी, पूर्वी भारत में आकाशीय बिजली गिरने की बढ़ती घटनाएं, असम और बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़, बुंदेलखंड और दक्षिण में गहराता जल संकट, हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और हिमनद झीलों के फटने का खतरा तथा पश्चिमी भारत में भूजल का लगातार गिरता स्तर, ये सभी घटनाएं अब अलग-अलग पर्यावरणीय समस्याएं नहीं रहीं। इनका सीधा असर खेती, रोजगार, स्वास्थ्य, पलायन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि इन परिवर्तनों को समझने के लिए हमारे पास अलग-अलग विभागों में बहुत-सी सूचनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे एक-दूसरे से जुड़ती नहीं हैं। मौसम का आंकड़ा एक संस्था के पास है, भूजल का दूसरे के पास, कृषि का तीसरे के पास और जनसंख्या का चौथे के पास। परिणाम यह है कि हमें यह तो पता है कि किसी गांव में कितने परिवार रहते हैं, लेकिन यह व्यवस्थित रूप से नहीं पता कि सूखते तालाब, घटता भूजल, बदलती फसलें या बार-बार आने वाली आपदाएं वहां के लोगों के जीवन और आजीविका को किस प्रकार बदल रही हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में समस्या केवल आंकड़ों की कमी नहीं है। समस्या यह है कि हमारे पास जीवन और पर्यावरण को एक साथ देखने वाली सूचना व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि भारत के प्रशासनिक इतिहास में ऐसी समग्र दृष्टि के उदाहरण पहले से मौजूद हैं। इसका एक उदाहरण 1887 में तत्कालीन मारवाड़ राज्य में जनगणना के लिए तैयार की गई ग्राम प्रश्नावली है। यह केवल गांव की आबादी या राजस्व का ब्योरा भर नहीं मांगती थी। इसमें कुओं और तालाबों की संख्या, पानी की गुणवत्ता, मिट्टी का प्रकार, चरागाह, वृक्षों की प्रजातियां, पशुधन, स्थानीय फसलें, कुटीर उद्योग, महामारी, अकाल, पलायन, स्थानीय धरोहर और गांव की सामाजिक संस्थाओं तक का विवरण दर्ज करने के 56 प्रश्न थे। गांव को केवल घरों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और स्थानीय संस्थाओं से मिलकर बने एक जीवंत तंत्र के रूप में देखा गया था। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में तैयार अनेक जिला गजेटियर और ग्राम अभिलेखों में वर्षा, नदियां, जंगल, मिट्टी, सिंचाई, पशुधन, स्थानीय उद्योग तथा प्राकृतिक संसाधनों यहां तक कि रीति-रिवाज, खान-पान तक का विवरण जनसंख्या संबंधी सूचनाओं के साथ मिलता है। निस्संदेह इन दस्तावेजों का उद्देश्य औपनिवेशिक प्रशासन, राजस्व निर्धारण और अकाल प्रबंधन था, पर्यावरण संरक्षण नहीं। फिर भी उन्होंने गांवों का ऐसा सामाजिक-पर्यावरणीय चित्र सुरक्षित कर दिया, जो आज जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में मूल्यवान स्रोत बन गया है।

'वंदे मातरम्' के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की पोल खुली, नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक एक ही पैटर्न?

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए।

(प्रवीण गुगनानी)

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है।

एक बंगाली कहावत है – मायेर स्तबेर अर्धेक ग्रहण, अर्धेक बर्जन, ए कैमन सन्तानेर भक्ति? मातृभूमि के स्तुति गीत को आधा स्वीकारना और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है? भद्र बंगाल की सौ वर्षों की व्यथा, वेदना ही इस लोकोक्ति रूप में प्रकट हुई है। भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम का शायद ही कोई दूसरा गीत वन्दे मातरम् जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्घट उद्घोष बनी थी। 15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित घृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दशक भर कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे उपस्थित थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् के अपमान के इस दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था। इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि - सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गे जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थी। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनास्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है। इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा 'वंदे मातरम्' का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह 'वंदे मातरम्'

और 'मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेसी प्रवृत्ति' के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया। कांग्रेस ने इस घटना पर अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा तो भी कोई बात नहीं होती। कांग्रेस ने तो अपनी हठधर्मिता, अड़ियलपन, मति मूढ़ता की हद तो तब दिखा दी जब उसने अपनी राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी में 'वंदे मातरम्' को पूर्ण रूप में नहीं गाने के लिए प्रस्ताव ही पारित कर दिया। 'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए। गांधी जी ने इसके समर्थन में अपनी स्पष्ट राय रखी थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की अपनी राजनैतिक कुटिलताओं और प्राथमिकताओं के चलते गांधी जी की एक न चलने दी। इतिहास यह भी है कि, यह दुखद एतिहासिक पृष्ठ रहस्यमयी भी है। रहस्य यह कि - अंततः वह कौन सी कमजोर नस थी,, जिसके आधार पर नेहरू जी ऐसे निर्णय भी गांधी जी से करवा लेते थे जिनके लिए गांधी जी कभी भी तैयार नहीं थे। गांधी जी वंदेमातरम् विभाजन हेतु असहमत थे। गांधी जी बंग-भंग हेतु भी सहमत नहीं थे। गांधी जी ने कहा था कि इस देश का विभाजन मेरी लाश पर होगा। गांधी जी स्वतंत्रता पश्चात् कांग्रेस को विसर्जित करने हेतु भी संकल्पित थे। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता पश्चात् हम एक बूँद की स्याही लेंगे और यह लिख देंगे - इस देश में गौहत्या वैसा ही दंड होगा जैसा मानव हत्या के लिए होता है। स्वच्छता, हिंदी राष्ट्रभाषा, ग्रामवासी भारत आदि हेतु भी गांधी जी प्रतिबद्ध थे। कांग्रेस ने सात दशकों की सत्ता में इन विषयों को त्याज्य रखा। 'भारत में रामराज स्थापना' को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया था किंतु 'नेहरू-गांधी कांग्रेस' मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए श्रीराम को ही कल्पना सिद्ध करने के प्रयास में लग गई। कांग्रेस स्वयं को सेकुलर सिद्ध करने के अनथक प्रयास करने लगी थी और 'रामेश्वरम् रामसेतु' के विध्वंस, विनाश, भंजन, खंडन हेतु मशीनें समुद्रतट पर भेज चुकी थी। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' हेतु कांग्रेस ने न जाने कितने ही कांड इस देश में किया और सतत-निरंतर किए हैं। आश्चर्य और दुस्साहस का विषय यह है कि 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के लिए देश भर से लताड़े जाने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व इस बात को समझ ही नहीं रहा है। हाँ, कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता इस बात कोई समझ भी रहा है और वह कांग्रेस की 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की नीति के विरोध में भी है, तब ही तो 'कार्यकर्ता बेचारे' ने सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में आकर यह कहा था कि सोनिया जी वंदे मातरम् का गान रोक नहीं रही थी बल्कि खड़गे जी के लिए कुर्सी बुला रही थी। 'वंदे मातरम्' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की यह कांग्रेस कार्यकर्ता की नैसर्गिक प्रतिक्रिया थी जिसे कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार करना चाहिए थे किंतु कांग्रेस ने 'राम पथ' को नहीं बल्कि 'रोम पथ' को चुना हुआ है। 26 अक्टू.- 1 नव. 1937 की कलकत्ता कांग्रेस कार्यसमिति में 'वंदे मातरम्' गान के विभाजन की अनुशंसा और कुछ नहीं बल्कि एक 'इमोशनल राष्ट्रीय ब्लैक मेल' था। यह देश विभाजन में अपना हित देखने वाले नेताओं द्वारा निर्मित 'ब्लैकमेल' था।

दिल्ली मास्टर प्लान: फार्म हाउस के लिए जमीन की सीमा घटी, अब 4000 वर्गमीटर तय; आधे हिस्से पर हरियाली की शर्त

नई दिल्ली: दिल्ली के फार्म हाउस मालिकों के लिए मास्टर प्लान-2047 में जमीन के आकार और निर्माण को लेकर बदलाव किया गया है। नए प्रावधान में 4,000 वर्गमीटर के प्लॉट को लो डेंसिटी प्लॉट के रूप में मानते हुए फार्म हाउस के लिए नए विकास नियंत्रण मानक तय किए गए हैं। इसके तहत 20 तक फ्लोर एरिया रेशियो बिना अतिरिक्त शुल्क और 20 से अधिक से अधिकतम 30 तक फ्लोर एरिया रेशियो अतिरिक्त शुल्क देकर लेने की व्यवस्था की गई है। पुराने लो डेंसिटी रेजिडेंशियल एरिया के फार्म हाउस ढांचे में न्यूनतम 2.5 एकड़ यानी करीब 10,117 वर्गमीटर जमीन का मानक रहा है। इसके मुकाबले एमपीडी-2047 में 4,000 वर्गमीटर की सीमा करीब एक एकड़ के बराबर है। नए नियमों में 4,000 वर्गमीटर के फार्म हाउस प्लॉट पर 20 फ्लोर एरिया रेशियो तक निर्माण की अनुमति है।

4000 वर्गमीटर पर 400 वर्गमीटर तक ग्राउंड कवरेज

फार्म हाउस प्लॉट पर 20 फ्लोर एरिया रेशियो के मामले में अधिकतम 10 प्रतिशत ग्राउंड कवरेज होगी। 20 से ऊपर फ्लोर एरिया रेशियो लेने पर अतिरिक्त 5 प्रतिशत ग्राउंड कवरेज की अनुमति होगी।

इस तरह 4,000 वर्गमीटर के प्लॉट पर सामान्य स्थिति में अधिकतम 400 वर्गमीटर और अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो लेने पर अधिकतम 600 वर्गमीटर तक ग्राउंड कवरेज हो सकती है। भवन की अधिकतम ऊंचाई 12 मीटर रखी गई है।

आधी जमीन हरियाली के लिए रखनी होगी

फार्म हाउस मालिकों को निर्माण की अतिरिक्त गुंजाइश के साथ हरित क्षेत्र की शर्त भी पूरी करनी होगी। प्लॉट का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा हरित क्षेत्र के रूप में रखना अनिवार्य होगा। 4,000 वर्गमीटर के प्लॉट पर कम से कम 2,000 वर्गमीटर क्षेत्र हरित रखना होगा। भवन के लिए सामने की ओर न्यूनतम 15 मीटर और अन्य तीन दिशाओं में पांच-पांच मीटर का सेटबैक भी अनिवार्य होगा।

दो मुख्य आवासीय इकाइयां, तीसरी के लिए शुल्क

4,000 वर्गमीटर के फार्म हाउस प्लॉट पर 20 फ्लोर एरिया रेशियो के साथ अधिकतम दो मुख्य आवासीय इकाइयां बनाई जा सकती हैं। फ्लोर एरिया रेशियो 20 से बढ़ाकर 30 करने पर निर्धारित शुल्क के भुगतान के बाद एक अतिरिक्त आवासीय इकाई की अनुमति मिलेगी। यानी अधिकतम तीन मुख्य आवासीय इकाइयां बनाई जा सकेंगी। सभी इकाइयां एक ही भवन ब्लॉक का हिस्सा होना जरूरी है। इसके अतिरिक्त फार्म हाउस में अधिकतम तीन सेवा कर्मियों की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की इकाइयां बनाई जा सकती हैं। प्रत्येक इकाई 20 वर्गमीटर तक की होगी और इन्हें अनुमत फ्लोर एरिया रेशियो से अतिरिक्त रखा गया है। फार्म हाउस के लिए नए प्रावधान का लाभ लेने वाले प्लॉट के सामने कम से कम 12 मीटर चौड़ी सड़क होना जरूरी है।

पत्नी और 15 वर्षीय बेटी की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद। खोड़ा के लोकप्रिय विहार में शुक्रवार देर रात मछली मंडी के मुंशी ने पत्नी बेबी तबस्सुम (43) और 15 वर्षीय बेटी सना की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी ने दूसरी बेटी जोया उर्फ रूबी (14) पर भी चाकू से हमला किया, लेकिन वह बच गई। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने किशोरी को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। आरोपी मोहम्मद राजा अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल मांस काटने वाला चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, वारदात के पीछे दवा को लेकर दंपती के बीच चल रहा विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बेबी तबस्सुम और सना के शरीर पर धारदार हथियार से हमले के कई निशान मिले हैं। घायल जोया को एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। उसे मामा इस्लामुद्दीन के साथ भेजा गया है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि रूबी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने पूछताछ में पत्नी और बेटी की हत्या की बात स्वीकार की है। परिवार के अन्य सदस्यों के आने के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बेबी का परिवार असम में रहता है।

चार महीने से दवा को लेकर चल रहा था विवाद

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह काफी समय से अवसादग्रस्त है, जिसका उपचार चल रहा है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे परिवार ने खाना खाया। इसके बाद दोनों बेटियां अपने कमरे में चली गईं, जबकि राजा और उसकी पत्नी दूसरे कमरे में थे। इसी दौरान पत्नी ने राजा से दवा खाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। राजा ने पुलिस को बताया कि पिछले करीब चार महीने से दवा खाने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

महिला से कुंडल ठगने वाले दो शातिर मुठभेड़ में घायल, दोनों के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद: गाजियाबाद की स्वाट और सिहानी गेट थाना पुलिस ने महिला से जेवर की टप्पेबाजी करने वाले दो बदमाशो को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि इनके दो साथी पैर में गोली लगने से घायल साथियों को छोड़कर भाग गए। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि महिंद्रा तिराहा क्षेत्र में पुलिस संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि बीती 15 अगस्त से पहले बस अड्डे से एक महिला को ऑटो में बिठाकर, बहला-फुसलाकर उसके सोने के कुंडल ठगने वाले चार शातिर अपराधी एक ऑटो से लोहियानगर की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत लोहियानगर रोड पर घेराबंदी कर दी। हमदर्द ग्राउंड में फायरिंग और जवाबी कार्रवाई लोहियानगर रोड पर पुलिस को देखकर ऑटो सवार चारों बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने जब उनका पीछा किया, तो बदमाशों का ऑटो हमदर्द ग्राउंड में जाकर फंस गया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

सेक्टर-14 मार्केट में रेस्तरां में फटा एसी का कंप्रेसर, घटना में कोई व्यक्ति हताहत नहीं

गुरुग्राम: गुरुग्राम के सेक्टर-14 मार्केट में शनिवार की देर रात रेस्तरां में लगे एसी का कंप्रेसर फट गया। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही रेस्तरां व आसपास में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाके के कारण रेस्टोरेंट में लगे शीशे चकनाचूर होकर कांच के टुकड़े बिखर गए। आसपास दुकानों में मौजूद ग्राहक किसी अनहोनी के डर से बाहर की तरफ निकल गए। गनीमत रही कि घटना में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। जिस वक्त यह ब्लास्ट हुआ, उस समय आउटडोर कंप्रेसर यूनिट के पास रेस्टोरेंट का कोई भी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। आमतौर पर कॉमर्शियल जगहों पर मेंटेनेंस स्टाफ का बैकयार्ड या छतों पर आना-जाना लगा रहता है, लेकिन इस घटना के ठीक पहले वहां कोई नहीं था। रेस्तरां के अंदर बैठे ग्राहक व काउंटर पर मौजूद स्टाफ भी इस धमाके की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, जिससे एक बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया। रेस्तरां के अंदर बैठे लोग अपना खाना-पीना छोड़कर मुख्य दरवाजे की तरफ भागे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और रेस्तरां प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की राइडर और भीमनगर फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची।

मोबाइल हैक करने के शक में की थी हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-14 के ईस्ट राजीव नगर में व्यक्ति की चाकू से गला काटकर हत्या के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान बिहार के नवादा निवासी केशव (30) और झारखंड के कोडरमा निवासी राहुल (19) के रूप में हुई है। शुरूआती पूछताछ में पता चला कि आरोपियों को मृतक पर मोबाइल फोन हैक करने का संदेह था, जिसके चलते उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने केशव और राहुल को बिहार और झारखंड से गिरफ्तार किया है। यह घटना 13 अगस्त 2026 को सेक्टर-14 के ईस्ट राजीव नगर में हुई थी। पुलिस को सूचना मिली कि एक मकान की दूसरी मंजिल पर सुजीत कुमार खानवर का शव पड़ा है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो शव बिस्तर पर पड़ा था और उसका गला कटा हुआ था। मकान मालिक ने शिकायत में बताया कि उसने कमरा केशव और एक अन्य व्यक्ति को किराये पर दिया था। 13 अगस्त को बिजली बिल लेने गए मकान मालिक को दरवाजा बंद मिला। दरवाजा खोलने पर सुजीत का खून से लथपथ शव मिला। शिकायत के आधार पर सेक्टर-14 थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बच्चों के इलाज में लापरवाही, बांट दी एक्सपायरी पैरासिटामोल

गाजियाबाद। विजयनगर द्वितीय में सुदामापुरी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दवा की गुणवत्ता जांचने की व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। यहां बुखार और सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए आने वाले बच्चों को 100 एमजी की एक्सपायरी पैरासिटामोल बांट दी गई। मंगलवार को 15 से अधिक बच्चों को यह दवा दिए जाने की बात सामने आई है। मामला तब खुला, जब शांति नगर निवासी रूपम शर्मा की तीन माह की बेटी को भी यही दवा दी गई। परिजनों की आपत्ति व हंगामे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित दवा का स्टॉक हटवा दिया और उसे ड्रग वेयरहाउस वापस भेज दिया।

स्वास्थ्य केंद्र में रोजाना 150 से अधिक मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं, इनमें 50 से ज्यादा बच्चे होते हैं। बच्चों में बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य सामान्य बीमारियों के उपचार के दौरान पैरासिटामोल भी दी जाती है। ऐसे में बच्चों को नियमित रूप से दी जाने वाली पैरासिटामोल जैसी दवा का स्टॉक बिना जांच के मरीजों तक पहुंचना दवा वितरण व्यवस्था की गंभीर चूक माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य केंद्र पर दवाओं का स्टॉक आने के बाद उसके पैकेट और एक्सपायरी डेट की नियमित जांच

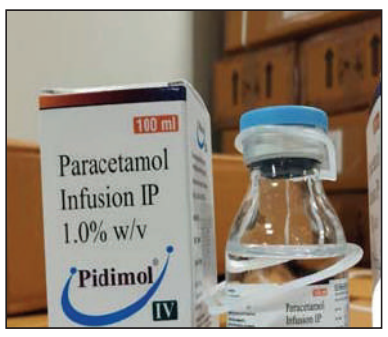

नहीं होती। दवा बांटने से पहले स्टॉक की जांच की जाती तो एक्सपायरी दवा मरीजों तक पहुंचने से रोकी जा सकती थी। सर्विलांस अधिकारी राकेश गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर दवा वितरण से पहले एक्सपायरी डेट जांचने के निर्देश दिए गए हैं।

खासकर बच्चों को दी जाने वाली दवाओं के मामले में किसी तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, सीएमओ डॉ. सचिन चंद्र वैश्य ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि पता लगाया जा सके कि चूक किस स्तर से हुई।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल को पत्रिका भेंट की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को उपराज्यपाल टीएस संधू से अनौपचारिक मुलाकात की।

लोक निवास ने एक संदेश में कहा कि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष गुप्ता विजेंद्र ने आज लोक निवास दिल्ली में दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार संधू तरनजीत एस से मुलाकात की। उन्होंने उपराज्यपाल को दिल्ली विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका 'विधान चेतना' की एक प्रति भेंट की।' एक अन्य घटनाक्रम में, वरिष्ठ आईपी अधिकारी वर्षा शर्मा को उपराज्यपाल के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान ओएसडी शिवेंद्र कांत तिवारी का स्थान लेंगी। शर्मा वर्तमान में दिल्ली पुलिस (आर्थिक अपराध शाखा) में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। तिवारी आर्थिक अपराध शाखा में उनका स्थान लेंगे। इससे पहले, स्पीकर गुप्ता ने फरीदाबाद के एक तकनीकी विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छे कानूनों के लिए अच्छे तथ्यों, विश्वसनीय शोध और जमीनी स्तर के साक्ष्यों की आवश्यकता होती है, और विश्वविद्यालयों को विधायिकाओं और सरकारों को वह ज्ञान प्रदान करने में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। स्पीकर गुप्ता फरीदाबाद स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान में आयोजित कुलपति सम्मेलन 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे: कब्जा मिलने से आठ किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण को रफ्तार मिलेगी

फरीदाबाद। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को फरीदाबाद से सीधे जोड़ने वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण के रास्ते में सोतई गांव में जमीन न मिलने की अड़चन दूर हो गई है। सोतई गांव में करीब 680 मीटर जमीन पर कब्जा मिलने के बाद एक्सप्रेसवे के के आठ किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण को रफ्तार मिलेगी। इससे मोहना से सोतई तक एक्सप्रेसवे के निर्माण में आ रही बाधा दूर होने की उम्मीद है। इस हिस्से का निर्माण लंबे समय से जमीन की अड़चनों के कारण प्रभावित रहा। अधिकारियों के अनुसार यूपी की सीमा में एक्सप्रेसवे का करीब 15 किलोमीटर हिस्सा तैयार हो चुका है। यमुना नदी पर बनाया गया पुल भी तैयार हो चुका है। अब हरियाणा की तरफ मोहना से सोतई तक बचे काम को गति देने पर जोर है। सोतई में जमीन मिलने के बाद निर्माण एजेंसी को लगातार काम करने का रास्ता साफ होगा। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे सेक्टर-65 के सामने से डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे से शुरू होकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर तक जाएगा। छह लेन के इस एक्सप्रेसवे पर डीएनडी-सोहना हाईवे, केजीपी एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे समेत कई प्रमुख मार्गों से कनेक्टिविटी दी जाएगी।

75 प्रतिशत से अधिक काम पूरा: परियोजना का 75 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य जून 2023 में शुरू हुआ था। पहले इसे जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन जमीन अधिग्रहण और परियोजना में बदलाव के कारण समयसीमा बढ़ती गई।

पीयूसी सर्टिफिकेट बनवाने की समयसीमा 30 सितंबर तक बढ़ाई

फरीदाबाद। जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण से जुड़े कड़े नियमों और जटिल प्रक्रियाओं ने उद्यमियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विशेषकर सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण) सर्टिफिकेट अनिवार्य किए जाने के बाद से उद्यमी ज्यादा परेशान हैं। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने उद्यमियों की मांग पर सर्टिफिकेट बनवाने की अब 30 सितंबर कर दी है, लेकिन अन्य गंभीर मुद्दों पर अब तक कोई राहत नहीं मिलने से उद्यमी परेशान हैं। बीते 15 जुलाई को फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सीपीसीबी के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस दौरान बैठक में उद्यमियों ने सर्टिफिकेट की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाने का आग्रह किया था। बोर्ड ने आंशिक राहत देते हुए समय सीमा 30 सितंबर तय कर दी, लेकिन उद्योगों की अन्य प्रमुख मांगों पर बोर्ड की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है।

भारी लागत और मनमानी : उद्योगों को अपनी इकाइयों का प्रदूषण सर्टिफिकेट बनवाने के लिए 1 से 2 लाख रुपये तक का भारी खर्च उठाना पड़ रहा है। अधिकृत जांच एजेंसियों की संख्या बेहद कम होने के कारण उद्यमियों को मनमाने दाम चुकाने पड़ रहे हैं।

जटिल प्रक्रिया : उद्यमियों की मांग है कि वाहनों की तर्ज पर उद्योगों के लिए भी प्रदूषण जांच और सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया को पूरी तरह सरल और सुगम बनाया जाए। ओसीएम और रिपोर्टिंग का बोझ : एसोसिएशन ने ओसीएम (ओवरहालिंग, कॉस्ट और अनुपालन लागत) के भारी-भरकम मूल्यों को कम करने तथा वित्तीय पर्याप्तता रिपोर्टिंग की जटिल प्रक्रिया को आसान बनाने की पुरजोर मांग की है। बता दें कि जिले में छोटी-बड़ी 36 हजार से अधिक इकाइयां हैं।

स्वाइन फ्लू से निपटने को अस्पताल तैयार, आरएमएल में संक्रमित मरीज हुए भर्ती

नई दिल्ली: दिल्ली में मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के मामले बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए सरकारी अस्पतालों ने कमर कस ली है। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, वेंटिलेटर बेड, जांच सुविधाएं और जरूरी दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

दिल्ली के सभी केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। इनमें एम्स नई दिल्ली, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। आरएमएल और सफदरजंग अस्पताल ने मरीजों की समय पर पहचान, उपचार और निगरानी के लिए व्यवस्थाएं की हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और उपलब्ध संसाधन मौजूदा मरीजों के लिए पर्याप्त हैं।

आरएमएल अस्पताल की जनसंपर्क अधिकारी वैशाली भारद्वाज ने बताया कि एच1एन1 के भर्ती मरीजों की संख्या अभी इकाई अंक में है। उन्होंने कहा कि इन मरीजों के उपचार और निगरानी

के लिए तय नैदानिक प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर मरीजों के बेहतर प्रबंधन के लिए एक समर्पित क्षेत्र भी निर्धारित है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सफदरजंग अस्पताल की जनसंपर्क अधिकारी साक्षी चुघ ने स्वाइन फ्लू सहित अन्य मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियां पूरी होने की बात कही। अस्पताल में आवश्यक दवाओं के साथ उपचार और सहायक देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध हैं। चुघ ने बताया कि इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों की चिकित्सकीय जांच कर उनकी स्थिति के अनुसार प्राथमिकता तय की जा रही है।

मौसम में बदलाव के साथ फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए पूर्वी दिल्ली के अस्पतालों ने स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। अस्पतालों में जरूरी दवाओं व इलाज की व्यवस्था की गई है। फिलहाल स्वाइन फ्लू के गंभीर मामले सामने नहीं आए हैं। जीटीबी अस्पताल के डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि अभी तक स्वाइन फ्लू का कोई मरीज भर्ती नहीं हुआ है, लेकिन जरूरी तैयारियां पूरी हैं।

ओपीडी में भी स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या ज्यादा नहीं है। पहले से बीमार मरीजों को ठीक होने में एक सप्ताह या उससे अधिक समय लग सकता है। कड़कड़डूमा स्थित निजी अस्पताल की डॉ. लवलीन शर्मा ने बताया कि एच1एन1, एच3एन2 व अन्य वायरल संक्रमण के मरीज सामने आ रहे हैं। अस्पताल में करीब चार-पांच स्वाइन फ्लू के मरीज भर्ती हैं।

यूनिवर्सिटीज को पब्लिक पॉलिसी में पार्टनर बनना चाहिए: विजेंद्र गुप्ता

फरीदाबाद। दिल्ली विधानसभा के स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि अच्छे कानूनों के लिए सही तथ्य, भरोसेमंद रिसर्च और जमीनी स्तर के सबूतों की जरूरत होती है और विश्वविद्यालयों को विधानसभाओं और सरकारों तक यह जानकारी पहुंचाने में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। फरीदाबाद के एक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में 'वाइस चांसलर्स कॉन्क्लेव 2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि विधायिकाएं कानून बनाती हैं, बजट को मंजूरी देती हैं और सरकारों को जवाबदेह बनाती हैं, जबकि विश्वविद्यालय रिसर्च पर आधारित इनपुट, पर्यावरण कानूनों पर विशेषज्ञों की राय और लोकतांत्रिक संस्थाओं के साथ छात्रों की ज्यादा भागीदारी के जरिए इस प्रक्रिया को मजबूत कर सकते हैं। दो दिन के इस कॉन्क्लेव (22-23 अगस्त) का विषय 'ग्रीन कैंपस: टिकाऊ और मजबूत भविष्य के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को सशक्त बनाना' था। जलवायु परिवर्तन को आज की सच्चाई बताते हुए विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रिकॉर्ड गर्मी, सर्दियों में स्मॉग, प्रदूषित हवा, अचानक बाढ़ और गिरते भूजल स्तर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यमुना की हालत, हवा की गुणवत्ता और भूजल की कमी सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंताएं नहीं हैं, बल्कि ये जन स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़े सवाल भी हैं। कानून और नीतियां जरूरी हैं, लेकिन स्थिरता को मूल्यों, आदतों और जीवनशैली का हिस्सा भी बनना होगा। उन्होंने सवाल किया, 'अगर भारत के विश्वविद्यालय 'ग्रीन' नहीं होंगे तो भारत का भविष्य 'ग्रीन' कैसे हो सकता है?' स्पीकर गुप्ता ने भारत के 'ग्रीन ट्रांजिशन' में विश्वविद्यालयों की तीन भूमिकाएं बताईं। मॉडल के तौर पर, शिक्षक के तौर पर और रिसर्च व समाधान के केंद्र के तौर पर। गुप्ता ने कहा, 'आपके कैंपस हमारी प्रयोगशालाएं हैं।' उन्होंने कहा कि सफल मॉडल नीति-निमार्ताओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें दोहराने का भरोसा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो छात्र चार-पांच साल तक ऐसी आदतें अपनाते हैं, वे उन्हें अपने काम की जगहों, उन गांवों या शहरों जहां वे बसते हैं और अपने परिवारों में भी ले जाते हैं; इस तरह एक कैंपस पूरी पीढ़ी पर असर डालता है।

गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एक हरित, अधिक टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार भारत को आकार देने में उच्च शिक्षा संस्थानों की अहम भूमिका है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का 9km का बचा हिस्सा भी खुला

● आश्रम से कालिंदी कुंज और फरीदाबाद का सफर आसान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के दिल्ली वाले हिस्से पर सफर को और आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक एक्सप्रेसवे के बचे हुए नौ किलोमीटर हिस्से को शुक्रवार को ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोल दिया गया। हालांकि, लोगों को इसकी जानकारी कम होने के कारण पहले दिन इस मार्ग पर बहुत कम वाहन दौड़े। ट्रायल के दौरान मार्ग पर ट्रैफिक के दबाव और सुरक्षा मानकों को परखा जा रहा है। इसका आधिकारिक उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना तय है और इसकी तिथि की घोषणा जल्द हो सकती है।

आश्रम से कालिंदी कुंज तक सफर होगा आसान: दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के बचे हुए इस नौ किलोमीटर हिस्से को कालिंदी कुंज से आश्रम के बीच भी ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोला गया है। नए रास्ते का इस्तेमाल शुरू होने से आश्रम से कालिंदी कुंज, सराय काले खां और फरीदाबाद आने-जाने वाले यात्रियों को सरिता विहार, मोहन एस्टेट और मथुरा रोड के भारी ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। परियोजना निदेशक, एनएचएआइ धीरज सिंह ने बताया कि इस हिस्से को ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोला गया है। इस दौरान ट्रैफिक के दबाव और सुरक्षा मानकों को परखा जा रहा है।

दिल्ली को जाम और प्रदूषण से राहत देने की योजना: केंद्र में भाजपा सरकार बनने के अगले वर्ष ही राजधानी दिल्ली को जाम मुक्त करने का प्लान बनाया गया था। इसका उद्देश्य ईज आफ मोबिलिटी और पॉल्यूशन फ्री करना था। इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। कई योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि कई परियोजनाओं पर इस वर्ष अंत तक काम शुरू हो जाएगा। कुछ परियोजनाओं की डीपीआर जल्द फाइनल होने वाली हैं।

नोएडा एयरपोर्ट से भी जुड़ेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

एक साल में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जेवर एयरपोर्ट से स्पर के जरिये जुड़ जाएगा। इसके साथ ही निर्माणाधीन फरीदाबाद-जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे भी फरीदाबाद से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर करेगा। इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की लंबाई 32 किलोमीटर है। इसमें नौ किलोमीटर हिस्सा उत्तर प्रदेश की सीमा में और 23 किलोमीटर हरियाणा की सीमा में है। यह फरीदाबाद को सीधे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ेगा।

सेक्टर-65 की ओर आठ किमी हिस्सा होगा एलिवेटेड

फरीदाबाद-जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को सेक्टर-65 की तरफ से आठ किलोमीटर एलिवेटेड बनाया जा रहा है, ताकि शहर का मास्टर प्लान प्रभावित न हो। यूपी की सीमा में एयरपोर्ट से लेकर हरियाणा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक का काम सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके आगे फरीदाबाद सेक्टर-65 तक के हिस्से का निर्माण कार्य जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फरीदाबाद से जेवर का सफर 25 मिनट में : अभी फरीदाबाद से जेवर जाने के लिए करीब 40 किलोमीटर का सफर करना पड़ता है। इसमें करीब सवा से डेढ़ घंटे का समय लगता है। यह रास्ता यमुना नदी पर बने मोहना पुल से होकर जाता है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनने के बाद नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने में सिर्फ 25 मिनट लगेंगे।

इलाज के लिए वंतारा पहुंची हथनी जायमोती, नगालैंड में बाढ़ से किया गया था रेस्क्यू

जामनगर, एजेंसी। नगालैंड में आई भयानक बाढ़ से बचाई गई 53 साल की हथनी जायमोती को खास इलाज के लिए गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा एयरलिफ्ट किया जा रहा है।

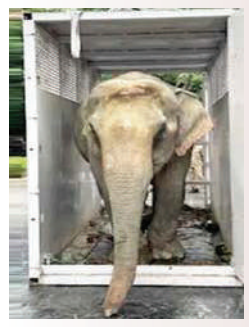

जुलाई के दूसरे सप्ताह में नगालैंड में बाढ़ के पानी में जायमोती बह गई थी। बाद में सरकारी एजेंसियों की मदद से स्थानीय लोगों ने उसे बचाया। इस दौरान वह चोटिल हुई थी। उसकी आंखें भी खराब हो गई हैं। उसके पिछले बाएं पैर में भी लंबे समय से चोट है। बचाए जाने के बाद जायमोती को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक चिकित्सा और इलाज मिला, जिसमें घाव की ड्रेसिंग, दर्द की दवा, मल्टीविटामिन और मिनरल सप्लीमेंट और सहायक इलाज शामिल था। हालांकि, उसकी चोटों की गंभीरता और कई जगहों पर चोट होने, उसकी बढ़ती उम्र और चलने-फिरने में पहले से मौजूद दिक्कतों को देखते हुए उसे एक खास अस्पताल में तुरंत इलाज की जरूरत है।जायमोती को वंतारा ले जाने का मकसद केवल तुरंत और खास इलाज देना है। उसे एयरलिफ्ट करने का फैसला उसकी भलाई और मेडिकल जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है। वंतारा पहुंचने पर जायमोती की पूरी जांच की जाएगी और उसके चोटों और आंख की हालत का खास इलाज किया जाएगा। अस्पताल में खास देखभाल के लिए हवाई जहाज से हाथी को ले जाने का भारत में अपनी तरह का पहला मामला है। वनतारा ने असम में तीन वाइल्डलाइफ वेटेरिनरी केयर सेंटर बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें हाथियों के लिए एक खास सेंटर भी शामिल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा गुजरात के जामनगर में शुरू किया गया एक विश्व स्तरीय वन्यजीव बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र है। लगभग 3,500 एकड़ में फैला यह केंद्र घायल और संकटग्रस्त जानवरों को सुरक्षित आश्रय, अत्याधुनिक चिकित्सा और प्राकृतिक माहौल प्रदान करता है।

हाफिज सईद समेत कई आतंकियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा, पुलिस ने गृह मंत्रालय से मांगी इजाजत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और ज़की-उर-रहमान लखवी समेत छह फरार आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये कोर्ट के घोषणा आदेश तामील कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इससे 26/11 आतंकी हमलों में उनकी भूमिका के लिए उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है। विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने शुक्रवार को पुलिस की ओर से एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट इस वर्ष जुलाई में फरार आरोपितों के विरुद्ध जारी घोषणा आदेश और उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के बारे में है। निकम ने विशेष अदालत को बताया, हमने पाकिस्तान में रह रहे आरोपितों के विरुद्ध इंटरपोल के जरिये घोषणा आदेश तामील कराने के लिए ज़रूरी कदम उठाने के लिए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, तीन अगस्त को गृह मंत्रालय ने हमारी अपील स्वीकार कर ली थी और इस मामले की स्थिति बताने के लिए समय मांगा था। अदालत ने सईद, लखवी और अन्य फरार आरोपितों साजिद मीर, अबू अलकामा, आसिम उर्फ अबू कहफा और मेजर अब्दुर रहमान पाशा के विरुद्ध घोषणा आदेश जारी किए थे।

सब ड्रामे कर रहे हैं, कुछ भी नहीं, सॉफ्टवेयर पति की मौत पर बोली बेरहम पत्नी, पीट-पीटकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार के लक्ष्मी पार्क में सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की पीट-पीटकर हत्या के मामले में उनकी पत्नी रेखा पर स्वजन ने गंभीर और संवेदनहीनता के आरोप लगाए हैं। स्वजन का आरोप है कि जब विनय की मां हमलावरों से बेटे की जिंदगी की भीख मांग रही थीं, तब रेखा ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर कर दिया। आरोप है कि विनय के गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी रेखा ने उसकी मदद नहीं की। वहीं, विनय की मौत की जानकारी मिलने पर रेखा ने कहा, सब ड्रामे कर रहे हैं, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। मुझे डराने के लिए झूठ बोला जा रहा है।

विवाद के बाद रेखा ने पिता और भाइयों को बुलाया: स्वजन के मुताबिक, शुक्रवार सुबह पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद रेखा ने अपने पिता ज्ञान चंद, भाइयों राजकुमार और सोनू, एक भाई की पत्नी तथा दो अन्य लोगों को घर बुलाया। उस समय घर में विनय और उनकी मां मौजूद थीं। विनय की मां नीचे ग्राउंड फ्लोर पर थीं। उनके मुताबिक, रेखा के पिता और भाई समेत अन्य लोग कार से घर पहुंचे और बिना उनसे कोई बातचीत किए सीधे पहली मंजिल पर स्थित विनय के कमरे में चले गए।

कमरे से चीखने की आवाज सुनकर ऊपर पहुंचीं मां: कुछ देर बाद विनय की मां ने कमरे से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनी। उन्हें लगा कि विनय को पीटा जा रहा है। इसके बाद उन्हें विनय की मदद के लिए आवाज सुनाई दी। वह ऊपर कमरे में पहुंचीं तो स्वजन के अनुसार वहां सभी लोग विनय को घेरे हुए थे और उसके साथ मारपीट कर रहे थे। स्वजन का आरोप है कि रेखा पास में खड़ी थी और उन्हें रोकने के बजाय कथित तौर पर उकसा रही थी। विनय ने अपनी मां को देखकर कमरे से बाहर आने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि लोगों ने उसे पकड़ लिया।

मां को कमरे से बाहर करने का आरोप

स्वजन के मुताबिक, विनय की मां ने उसे बचाने की कोशिश की तो रेखा ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर कर दिया। वह लोगों से विनय को छोड़ने की गुहार लगाती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों को आवाज लगानी शुरू की। पड़ोसियों के आने की आहट होने पर सभी लोग वहां से भागने लगे। स्वजन के अनुसार, पकड़े जाने के डर से आरोपित उस कार को भी मौके पर छोड़ गए, जिससे वे वहां पहुंचे थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह : पुलिस के अनुसार, अभी विनय की मौत की सही वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह की जानकारी मिल सकेगी। पुलिस सभी आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

जनगणना कार्य से इनकार नहीं कर सकते शिक्षक, हाई कोर्ट ने कहा- स्कूल ड्यूटी पर ही माने जाएंगे

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए गए शिक्षकों को स्कूल ड्यूटी पर ही माना जाएगा और वे इस जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने शिक्षकों को जनगणना कार्य में लगाए जाने से संबंधित याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि यदि जनगणना संचालन निदेशक और प्रभारी अधिकारी शिक्षकों की सेवाएं लेना चाहते हैं तो स्कूल के प्रधान को कार्य की तारीख, समय और स्थान की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। अदालत ने आगे कहा कि जनगणना अधिकारियों से अनुरोध मिलने के बाद संस्थान प्रमुख को संबंधित शिक्षकों को जनगणना कार्य के लिए जाने की अनुमति देनी होगी। साथ ही स्कूल में उपलब्ध अन्य शिक्षकों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जनगणना ड्यूटी करने वाले शिक्षक जनगणना अधिनियम की धारा 15ए के प्रावधानों के तहत स्कूल ड्यूटी पर माने जाएंगे।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी: अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं।

केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है।

क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी: फूड डिलीवरी ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं।

क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है: चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम : यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी: कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी: सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया।

सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप: यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया। दोनों को लगी चोटों को जानलेवा नहीं बताया गया है।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं: पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी: गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।÷

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी: सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।% सहगल ने बताया कि आखिरकार लोगों ने उसे काबू कर लिया और उसी दौरान पुलिस को बुलाया गया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया: इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं।

हिंसा के बावजूद समय पर हुआ शादी समारोह: सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10ः30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

जांच से सामने आएगी घटना की असली वजह: गुरुद्वारा प्रतिनिधि ने कहा कि समुदाय के लोग अब पुलिस की जांच के जरिए यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर घटना की पूरी परिस्थिति क्या थी और इसके पीछे की वजह क्या रही। उन्होंने कहा, पुलिस ही यह तय करने में मदद करेगी। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि आखिर क्या हुआ और ऐसा क्यों हुआ।

खुशी के मौके पर छाया हमले का साया: वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन ऑफ कनाडा के प्रवक्ता हरमन कंडोला ने कहा कि चाकूबाजी की इस घटना ने उस समारोह की खुशी को फीका कर दिया, जो एक जश्न का अवसर होना था। कंडोला ने कहा,यह एक खुशी का मौका होना था, लेकिन अब हमें दो ऐसे लोगों की बात करनी पड़ रही है जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हिंसा को बेहद चिंताजनक बताया और घायलों तथा एडमंटन के सिख समुदाय के साथ एकजुटता जताई।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विवेकानंद शिला स्मारक के शिल्पकार एवं प्रखर राष्ट्रचिंतक श्रद्धेय एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित श्रृद्धेय रानाडे जी का जीवन सेवा, संगठन और संकल्प का एक प्रेरक उदाहरण है।

विभागीय सहायक लेखापाल तत्काल प्रभाव से निलंबित

भोपाल। वार्डों में पी.ओ.एस. मशीनें उपलब्ध न कराकर राजस्व वसूली को प्रभावित करने वाले सहायक लेखापाल श्री संजय सिंह परिहार को निगम प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निगम के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त 2026 को निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जोन क्र. 19 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया कि जोन के समस्त वार्डों में पी.ओ.एस. मशीन उपलब्ध नहीं है जिसके कारण राजस्व वसूली प्रभावित हो रही है। निगम आयुक्त जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि पी.ओ.एस. मशीनें एक्टिव किये जाने हेतु सहायक लेखापाल श्री संजय सिंह परिहार को दी गई है परंतु श्री परिहार द्वारा मशीनों को एक्टिव कर वापिस नहीं दिया गया। इस संबंध में संबंधित बैंक मैनेजर से भी जानकारी प्राप्त की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि उक्त मशीनें पूर्व से ही एक्टिव हैं जबकि जोन क्रमांक 19 को आवंटित कोटक महिन्द्रा बैंक की पी.ओ.एस. मशीन निष्क्रिय बताई गई। इस संबंध में आई.सी.आई.सी. बैंक के संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि श्री संजय सिंह परिहार को गत 10 अगस्त 2026 को मशीनें दी गई थीं लेकिन 10 दिवस तक श्री परिहार ने मशीनें अपने पास रखीं और बिना किसी वरिष्ठ अधिकारी के संज्ञान/अनुमोदन के उक्त मशीनों का वितरण स्वयं से मनमाने ढंग से कर दिया। इस संबंध में श्री संजय सिंह परिहार से भी फोन पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी/प्रतिउत्तर प्रदान नहीं किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि श्री परिहार द्वारा उन्हें सौंपे गये महत्वपूर्ण कार्य में उदासी एवं लापरवाही बरती गई है तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना भी की गई है।

लगातार मेट्रो रेल ट्रैक व स्टेशन निर्माण कंपनी यू आर सी द्वारा लापरवाही

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल की सबसे व्यस्ततम चौराहा कहे जाने वाले करोद क्षेत्र में मेट्रो रेल ट्रैक व स्टेशन निर्माण कंपनी यू आर सी द्वारा कार्य किया जा रहा है। जहां उंसके द्वारा बगैर किसी सावधानी के कार्य किया जा रहा है। इससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

करोदचौराहा राजधानी भोपाल का एक ऐसा चौराहा है जहां दिन हो या रात भारी, छोटे व अन्य वाहनों का आवागमन निरंतर जारी रहता है। इसी बीच मेट्रो रेल ट्रैक व स्टेशन का निर्माण कर रहे कंपनी द्वारा सड़क के दोनों तरफ आवागवन के बीच ही कार्य किया जा रहा है। कभी निर्माण कार्य के दौरान लोहे की मोटी रॉड नीचे गिर जाती है तो कभी किसी और चीज का गिरना या टकराना सामने आता है। इससे अनेकों बार बड़ी दुर्घटना होने से बचती है। परंतु जब किसी दिन बड़ी दुर्घटना घटित हो जाएगी तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। शुक्रवार शनिवार रात भी मेट्रो रेल स्टेशन का निर्माण कार्य थाना निशातपुरा के सामने बैरसिया की ओर से आने वाली रोड की तरफ जारी था। परंतु कंपनी द्वारा बैरसिया की ओर जाने वाले मार्ग को बंद किया गया। जबकि बैरसिया से आने वाले मार्ग को बंद करना चाहिए था। इसी बीच में बैरसिया की ओर से आ रही एक बोलेरो अचानक अनियंत्रित हो गई। परंतु ड्राइवर ने उसे मेडिकल लाइन के पास संभाल लिया।

विगत मंगलवार को हर्रा खेड़ा निवासी माहेश्वरी परिवार जब भोपाल से अपने 90 वर्षीय पिता क उपचार करवा वापस जा रहा था। इसी दौरान थाना निशातपुरा के सामने मेट्रो रेल स्टेशन का निर्माण कर रही कंपनी के वर्कर्स द्वारा रॉड नीचे गिर गई। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। उक्त मामले की शिकायत माहेश्वरी परिवार द्वारा थाने में भी की गई थी। इससे पूर्व की मेट्रो रेल ट्रेक व स्टेशन का निर्माण कर रही कंपनी द्वारा अनेकों बार लापरवाही बरतते हुए कई दुर्घटनाएं घटित की हैं।

भोपाल में विकास नाम पर काटे 2200 पेड़

एनजीटी ने कहा- कागजी आंकड़ों से नहीं चलेगा काम, 3 महीने में मांगी रिपोर्ट

भोपाल। राजधानी में विकास परियोजनाओं के लिए 2200 पेड़ काटे गए, इसके एवज में 1.35 करोड़ रुपये से अधिक की क्षतिपूर्ति राशि जमा कराई गई और अब 96,355 पौधे लगाने का दावा किया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि दशकों में तैयार हुए इन पेड़ों की जगह लगाए गए नन्हे पौधे कब तक वही छाया, ऑक्सीजन और पर्यावरणीय सुरक्षा दे पाएंगे?

पौधरोपण के साथ सुरक्षा भी जरूरी- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में डॉ. सुभाष सी. पांडेय की याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान सामने आए इस 'हरित हिसाब' ने विकास और पर्यावरण के बीच बढ़ती खाई को उजागर कर दिया है।

दादा निर्मल कुमार केसवानी की स्मृति में पत्रकार सम्मान समारोह, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

वरिष्ठ समाजसेवी एवं जनसेवा के लिए समर्पित रहे स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी की छठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजधानी भोपाल में दो दिवसीय श्रद्धांजलि एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को सिटी प्रेस क्लब एवं श्री निर्मल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों के लिए 'सावन संगम समारोह' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा, पत्रकारिता और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

पत्रकारों और समाजसेवियों को 'पर्यावरण मित्र सम्मान'

कार्यक्रम में शहर के प्रमुख समाजसेवियों और पत्रकारों को सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी की समाजसेवा की परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी और हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वर्गीय निर्मल केसवानी की स्मृति में किया वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय निर्मल कुमार

केसवानी की स्मृति में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर नर्मदापुरम सांसद दर्शन चौधरी, राज्यसभा सांसद रजनीश अग्रवाल, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद राजपूत, वरिष्ठ नेता गिरीश शर्मा, पूर्व विधायक पीसी शर्मा, अनिल पचौरी, शैलेंद्र सिंह चौहान, कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया, मस्तान सिंह मारन, प्रोफेसर डॉ. संजीव गुप्ता, अनुराग अमिताभ, वीरेंद्र शर्मा, सुधीर दंडोतिया, दिनेश शुक्ला, हृदेश धारवार सहित कई वरिष्ठ पत्रकार और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी ने सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनकी स्मृति में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना उनके विचारों को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक प्रयास है।

पत्रकारों और विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान

समारोह के दौरान पत्रकारिता, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। अनुराग उपाध्याय, वीरेंद्र शर्मा, कौशल किशोर चतुर्वेदी,प्रवेश गौतम, संजू सूर्यवंशी, केशव राज पांडे, कपिल तुलसी, राजेश प्रिंस गाबा, आदेश प्रताप सिंह भदौरिया, सुनील दुबे, मस्तान सिंह मारन, उमाशंकर तिवारी, जे.डी. पटेल को सम्मान प्रदान किया गया।

'जहां सरकार नहीं पहुंचती, वहां पत्रकार पहुंच जाते हैं'

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने पत्रकारिता की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जहां सरकार नहीं पहुंचती, वहां पत्रकार पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के उन मुद्दों को भी सामने लाते हैं, जो आम लोगों की आवाज बनकर शासन-प्रशासन तक पहुंचते हैं।

'पत्रकार न दोस्त होता है, न दुश्मन'

नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने पत्रकारों की भूमिका पर कहा कि पत्रकार न किसी का दोस्त होता है और न दुश्मन, पत्रकार पत्रकार होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के सूत्र बेहद तेज और काफी सटीक होते हैं। लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण है और समाज की वास्तविक तस्वीर सामने लाने में पत्रकारों का योगदान अहम है।

कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने भी रखे विचार

कार्यक्रम में कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने कहा कि पत्रकार के जीवन का संघर्ष बहुत कम लोग देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का महत्व पहले भी था, आज भी है और भविष्य में भी बना रहेगा। उन्होंने पत्रकारों के सामाजिक सरोकारों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

24 अगस्त को शीतल दास की बगिया में विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम

स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी की पुण्यतिथि 24 अगस्त को है। इस अवसर पर शाम 6 बजे शीतल दास की बगिया में विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में संध्या झूलेलाल की फौज की ओर से स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर उनके परिजन, सामाजिक कार्यकर्ता और शुभचिंतक एकत्र होकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे तथा समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करेंगे।

'उनकी स्मृतियां हमारी पूंजी हैं'

पुण्यतिथि के अवसर पर परिजनों ने कहा कि निर्मल कुमार केसवानी की मधुर स्मृतियां आज भी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके आदर्शों और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। परिजनों ने कहा कि स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी के पदचिह्नों पर चलते हुए समाजसेवा और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से आयोजन

श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन निर्मल वेलफेयर फाउंडेशन एवं जागृत हिंदू मंच के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन से जुड़े डॉ. दुर्गेश केसवानी ने लोगों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर स्वर्गीय निर्मल कुमार केसवानी को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

कार्बन पाठशाला का भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान में आयोजन

भोपाल। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल द्वारा कोर कार्बनएक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड तथा जीआईजेड इंडिया के सहयोग से संस्थान में 19 एवं 20 अगस्त, 2026 को दो दिवसीय 'कार्बन पाठशाला' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठशाला का उद्देश्य महिलाओं एवं लघु कृषकों को कृषि आधारित स्वैच्छिक कार्बन बाजार की पायलट परियोजनाओं से जोड़ने हेतु क्षमता निर्माण एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना था। कार्यक्रम का आयोजन जीआईजेड समर्थित पहल 'क्लाइमेट एडाप्टेशन, रेजिलिएंस एंड क्लाइमेट फाइनेंस इन रूरल इंडिया' के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मंत्रालयों, क्षेत्रीय एवं जिला कार्यालयों, शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, परोपकारी संस्थाओं तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के बीच प्रभावी सहयोग को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डॉ. मनोरंजन मोहंती (निदेशक, भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल), ने विश्वसनीय, समावेशी एवं किसान-केंद्रित कार्बन बाजार पहलों (इनिशिएटिव्स) को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए तकनीकी, संस्थागत एवं वित्तीय प्रयासों के समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

तकनीकी सत्रों में 'मध्य भारत में सतत कृषि पद्धतियों के माध्यम से मृदा कार्बन संचयन एवं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी' विषयक कार्बन पायलट परियोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कोर कार्बनएक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष श्री. एस. कार्तिक राव ने खेत स्तर पर किए जाने वाले हस्तक्षेपों (इंटरवेंशन) से लेकर सत्यापित कार्बन क्रेडिट प्राप्त करने तक की प्रक्रिया तथा नियामक संस्थाओं, कार्बन रजिस्ट्रियों, एक्सचेंजों एवं स्वतंत्र सत्यापन एजेंसियों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल की पाठ्यक्रम निदेशिका डॉ. संगीता लेंका ने प्रतिभागियों को मापन, रिपोर्टिंग एवं सत्यापन प्रणालियों के सिद्धांतों एवं डिजाइन, पारदर्शी लाभ-साझेदारी व्यवस्था तथा किसानों और परियोजना भागीदारों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया।

करौंद में समरसता कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया गया

भोपाल। संत रविदास जयंती के अवसर पर करोंद चौराहा स्थित श्री हनुमान मंदिर से समरसता कलश वंदन यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का आरम्भ रथ में विराजमान कलश का पूजन अर्चना कर किया गया। यात्रा करोंद क्षेत्र के मुख्य मार्गों से भ्रमण करती हुई निकली। जगह जगह यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर एल्डर मेन नगर निगम भोपाल विजय सिंह,भगत सिंह मंडल अध्यक्ष बबलेश राजपूत, स्वामी विवेकानंद मंडल अध्यक्ष नीरज पचौरी, वार्ड 75 पार्षद रीता जगदीश विश्वकर्मा, महामंत्री राधा कृष्ण नायक, महामंत्री गुलाब यादव, वार्ड संयोजक महेश केवट, करोंद बाल्मीकि समाज अध्यक्ष चंदन धनराज, मनीष अमृत लाल मिश्रा, भैरव रजक,लाल सिंह दांगी, आशीष रैकवार, दिनेश साहू सहित अन्य बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी व रहवासीगण मौजूद रहे।

केंद्रीय योजनाओं के लिए राज्य के खजाने से नहीं मिलेगा अग्रिम पैसा

भोपाल। केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य के बजट पर अनावश्यक वित्तीय दबाव रोकने के लिए वित्त विभाग ने केंद्रीय क्षेत्रीय और केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में केंद्रांश की राशि प्राप्त होने से पहले राज्य बजट से अग्रिम व्यय पर रोक लगा दी है।केवल प्रतिपूर्ति श्रेणी की योजनाओं में अपरिहार्य व्यय की अनुमति रहेगी, लेकिन खर्च के तत्काल बाद केंद्र सरकार से प्रतिपूर्ति की राशि प्राप्त करने के लिए प्रस्ताव भेजना अनिवार्य होगा।

केंद्र से राशि मिलने में देरी :केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई मामलों में केंद्रांश की प्रत्याशा में राज्य बजट से पहले ही राशि खर्च कर दी गई। दूसरी ओर प्रतिपूर्ति के आधार पर संचालित योजनाओं में भारत सरकार से प्रतिपूर्ति राशि

प्राप्त करने में देरी हो रही है। इससे राज्य के संसाधनों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए वित्त विभाग ने निर्देश दिए हैं कि केंद्रीय क्षेत्रीय एवं केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में अब केंद्रांश की राशि प्राप्त होने के बाद ही राज्य बजट में संबंधित योजना के राज्यांश का उपयोग किया जाए।

केंद्र सरकार को भेजेंगे प्रस्ताव:केंद्रांश मिलने की उम्मीद में राज्य के बजट से अग्रिम खर्च नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं विभागों की जिम्मेदारी रहेगी कि वे प्रतिपूर्ति श्रेणी की योजनाओं में जैसे ही आवश्यक व्यय हो, भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाए।

केंद्रीय योजनाओं की राशि से संबंधित उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी समय पर भेजे जाएं। यदि से लंबित हैं तो उन्हें तत्काल भेजें ताकि राशि जारी हो सके। ये ऑनलाइन भेजने होंगे।

बजट नियंत्रण अधिकारी बनाएंगे सूची

सभी विभागों के बजट नियंत्रण अधिकारियों से कहा गया है कि वे ऐसी सभी योजनाओं की सूची तैयार करें जिनमें केंद्रांश की राशि अपेक्षित या लंबित है। इसके बाद संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों और नोडल अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर लंबित राशि राज्य के पक्ष में जल्द प्राप्त करनी होगी। केंद्रीय राशि की प्राप्ति में अनावश्यक विलंब होने और इसके कारण राज्य के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की स्थिति में संबंधित विभाग तथा बजट नियंत्रण अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

वन विभाग ला रहा 'शिवा एप', घर बैठे बुला सकेंगे स्नेक रेस्क्यूअर

भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश में सर्पदंश की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इंसानों के साथ-साथ सांपों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग एक बड़ा नवाचार करने जा रहा है। प्रदेशभर के सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञों (स्नेक रेस्क्यूअर्स) का डेटाबेस तैयार कर 'शिवा एप' बनाया जा रहा है।

इस डिजिटल पहल के जरिए आम नागरिक अपने मोबाइल में जीपीएस लोकेशन ऑन करके नजदीकी रेस्क्यूअर को अपने घर या आसपास बुला सकेंगे।

'शिवा एप' की प्रमुख विशेषताएं :जीपीएस ट्रैकिंग से त्वरित मदद: एप यूजर की लाइव लोकेशन के आधार पर सबसे पास मौजूद प्रमाणित स्नेक रेस्क्यूअर को सूचना भेजकर बुलाने की सुविधा देगा। प्राथमिक उपचार का मार्गदर्शन: यदि किसी व्यक्ति को सांप ने काट लिया है, तो एप तुरंत फर्स्ट-एड गाइडेंस प्रदान करेगा।

एंटी-वेनम अस्पताल की लोकेशन: सर्पदंश की स्थिति में ऐप नजदीकी उन स्वास्थ्य केंद्रों की जानकारी और लोकेशन बताएगा, जहां एंटी-स्नेक वेनम (इलाज का टीका) उपलब्ध है।

रेस्क्यूअर्स को मिलेगा एक साल का लाइसेंस :वन विभाग हर साल प्रदेश के स्नेक रेस्क्यूअर्स को विशेष ट्रेनिंग देगा और उन्हें एक वर्ष की वैधता वाला आधिकारिक लाइसेंस जारी करेगा। रेस्क्यूअर्स को हर साल इस लाइसेंस का रिन्यूअल कराना अनिवार्य होगा।

भोपाल में बाइक टैक्सी पर नहीं लगेगा ब्रेक, प्राइवेट नंबर वाली बाइक पर होगी कार्रवाई

भोपाल, नप्र। भोपाल में ओला और रैपिडो की बाइक टैक्सी सेवा पूरी तरह बंद होने वाली नहीं है। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि कमर्शियल नंबर और जरूरी दस्तावेज वाले दोपहिया वाहनों को ही टैक्सी के रूप में चलने की अनुमति होगी। निजी नंबर की बाइक से यात्रियों को किराए पर ले जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शहर में बड़ी संख्या में लोग बाइक टैक्सी के जरिए कम किराए में सफर करते हैं। ऐसे में परिवहन विभाग की कार्रवाई का सीधा असर यात्रियों और बाइक टैक्सी चलाने वाले ड्राइवरों पर पड़ सकता है। हालांकि, कार्रवाई केवल उन वाहनों पर होगी, जो निजी नंबर पर पंजीकृत हैं और व्यावसायिक इस्तेमाल में लिए जा रहे हैं।

5 हजार बाइक चलने का दावा, कमर्शियल गाड़ी नहीं दिखती :टैक्सी यूनियनों का दावा है कि भोपाल में ओला और रैपिडो जैसे प्लेटफॉर्म पर करीब 5 हजार से ज्यादा बाइक टैक्सी के तौर पर चल रही हैं। इनमें बड़ी संख्या निजी नंबर वाली बाइक की बताई जा रही है। दूसरी ओर परिवहन विभाग के अनुसार शहर में बाइक भी कमर्शियल नंबर पर पंजीकृत हैं। इस पर टैक्सी यूनियनों का कहना है कि यदि बाइक कमर्शियल रजिस्ट्रर है तो दिखती क्यों नहीं है? उनकी सूची भी सार्वजनिक की जाना चाहिए। वहीं, निजी नंबर वाली कितनी बाइक वास्तव में एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म यानी ओला, ऊबर और रेपिडो पर टैक्सी के रूप में चल रही हैं, इसका आधिकारिक आंकड़ा विभाग के पास नहीं है।

यात्रियों को मिल सकती है कम बाइक :यदि परिवहन विभाग ने निजी नंबर वाली बाइक पर कार्रवाई शुरू की तो बाइक टैक्सी की संख्या में कमी आ सकती है। इसका असर खासकर ओला और रैपिडो की राइड उपलब्धता पर पड़ेगा। पीक टाइम में यात्रियों को बाइक मिलने में ज्यादा समय लग सकता है और कुछ इलाकों में राइड की उपलब्धता भी कम हो सकती है। हालांकि कमर्शियल नंबर वाली बाइक से सेवा जारी रहेगी। भोपाल टैक्सी चालक संघ के पदाधिकारी राजेश कुमार नागले ने बताया कि एग्रीगेटर कंपनियों को आदेश जारी किया गया है कि अवैध वाहनों (नान कमर्शियल वाहनों) पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

ड्राइवरों पर भी पड़ेगा असर :निजी बाइक को टैक्सी के रूप में चलाने वाले ड्राइवरों के लिए भी यह कार्रवाई महत्वपूर्ण है। ऐसे ड्राइवरों को या तो कमर्शियल नियमों के तहत वाहन पंजीकृत कराना होगा या फिर निजी बाइक से किराए की सवारी ले जाना बंद करना पड़ेगा। परिवहन विभाग का कहना है कि नियम सभी के लिए समान हैं। निजी वाहन का इस्तेमाल व्यक्तिगत काम के लिए किया जा सकता है, लेकिन उससे किराए पर सवारी ढोना व्यावसायिक गतिविधि मानी जाएगी।

टैक्सी यूनियन की शिकायत के बाद बढ़ी सख्ती :भोपाल में 18 और 19 अगस्त को टैक्सी यूनियनों की हड़ताल के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। यूनियन का कहना था कि कमर्शियल वाहन चलाने वाले ड्राइवर परमिट, फिटनेस, बीमा और टैक्स समेत कई जरूरी औपचारिकताएं पूरी करते हैं। उनका आरोप है कि निजी नंबर वाली बाइक और कारों से यात्रियों को ढोने के कारण नियमों का पालन करने वाले कमर्शियल वाहन चालकों को नुकसान हो रहा है।

अग्रवाल समाज कोलार द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

रविवार, 23 अगस्त को अग्रवाल समाज कोलार रजि. द्वारा भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था एवं श्रद्धा के साथ भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा सुबह 7 बजे सर्वधर्म से प्रारंभ होकर कोलार क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए दोपहर 12 बजे लालघाटी स्थित गुफा मंदिर पहुंची। यात्रा में 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा की अध्यक्षता कोलार अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र गर्ग ने की, जबकि यात्रा का संयोजन श्री सुनील कुमार मंगल द्वारा किया गया। यात्रा के सफल संचालन में उपाध्यक्ष डॉ. अंकुर अग्रवाल, सचिव श्री सौरभ गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री तरुण अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव श्री शैलेश अग्रवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री सचिन अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कांवड़ यात्रा का मार्ग में विभिन्न स्थानों पर अग्रवाल समाज के सदस्यों एवं संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। श्री रामेश्वर अग्रवाल, मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रांतीय महामंत्री श्री मुकेश गोयल एवं प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री नितिन कुमार गुप्ता ने यात्रा का स्वागत किया। इसके साथ ही भेल युवा मंडल के अमित मित्तल, आशुतोष गोयल, सुनील गुप्ता, सौरभ अग्रवाल, हेमंत बंसल, अर्पित अग्रवाल एवं श्याम अग्रवाल द्वारा स्मार्ट सिटी रोड पर कांवड़ यात्रियों का पुष्प वर्षा एवं स्वागत कर उत्साहवर्धन किया गया। लालघाटी स्थित गुफा मंदिर पहुंचने पर अग्रवाल मित्र मंडल द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। वहीं मोहित अग्रवाल, कमलकांत अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल तथा उनकी टीम द्वारा भी श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। आयोजकों ने बताया कि भोपाल शहर में पहली बार अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित इस कांवड़ यात्रा को लेकर समाजजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक आस्था एवं सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, सोमवार 24 अगस्त 2026

श्रिया सरन ने आवारापन 2 का किया रिव्यू

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 का अच्छा खासा बज बना हुआ है। इस फिल्म को लोग दिल खोलकर प्यार दे रहे हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी मोटी कमाई कर ली है। बॉलीवुड स्टार्स ने भी आवारापन 2 को पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है। इस बीच श्रिया सरन ने फिल्म आवारापन 2 को लेकर बड़ी बात कह दी है। इमरान हाशमी की हालिया रिलीज फिल्म आवारापन 2 को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब फिल्म की सीक्वल को लेकर श्रिया सरन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंनें आवारापन 2' देखी और फिल्म में कलाकारों की जमकर तारीफ की। खास बात यह है कि श्रिया का इस फ्रेंचाइजी से खास जुड़ाव है और वह सीक्वल में भी एक विशेष कैमियो करती नजर आई हैं। फिल्म देखने के बाद पैपराजी से बातचीत में श्रिया सरन ने इमरान हाशमी की एक्टिंग की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इमरान ने फिल्म में काफी जुनून और जोश के साथ काम किया है। श्रिया के मुताबिक, इमरान ने अपने किरदार को बहुत अच्छे तरीके से निभाया है। श्रिया ने फिल्म की एक्ट्रेस दिशा पाटनी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि दिशा फिल्म में काफी क्यूट और खूबसूरत लगी हैं। भले ही श्रिया की प्रतिक्रिया छोटी थी, लेकिन उन्होंने फिल्म के कलाकारों के अभिनय को लेकर सकारात्मक राय दी। श्रिया सरन का आवारापन फ्रेंचाइजी से जुड़ाव साल 2007 से है। उस समय रिलीज हुई पहली फिल्म में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। शुरुआत में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई थी।

करीना कपूर ने की जाफर जैक्सन की जमकर तारीफ

=

दिग्गज पॉप स्टार माइकल जैक्सन की जिंदगी पर बनी फिल्म स्द्धष्द्धड्डद्बद्य इस साल की बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हो गई है. फिल्म में माइकल जैक्सन का किरदार उनके भतीजे जाफर जैक्सन ने निभाया है. फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से काफी अच्छा रिएक्शन मिल रहा है. बॉलीवुड के कई सितारे भी फिल्म देखने के बाद अपनी राय शेयर कर चुके हैं. अब इस लिस्ट में करीना कपूर खान का नाम भी जुड़ गया है.

परिवार के साथ बीच वेकेशन से लौटने के कुछ दिन बाद करीना ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की तारीफ की है. उन्होंने जाफर जैक्सन की एक्टिंग की भी जमकर सराहना की. उनका यह रिएक्शन उस समय आया, जब उनकी टीम ने उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अफवाहों को खारिज किया था. चलिए जानते हैं करीना ने क्या कहा है?

करीना कपूर ने अपने अंदाज में फिल्म देखने के बाद इंस्टाग्राम पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने जाफर जैक्सन को टैग करते हुए लिखा,卐उफ्फफ! क्या फिल्म है, क्या परफॉर्मेंस है!卐 इसके साथ उन्होंने फायर और हार्ट वाले इमोजी भी लगाए हैं. फिल्म स्द्धष्द्धड्डद्बद्य इसी साल अप्रैल में रिलीज हुई थी और दुनियाभर में करीब 1 बिलियन डॉलर की कमाई के साथ यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बायोपिक बन गई है. फिल्म के दूसरे पार्ट पर भी काम चल रहा है.

करीना कपूर की प्रेगनेंसी की अफवाहें भी हुईं वायरल

दूसरी तरफ शुक्रवार को करीना एक और वजह से चर्चा में आ गई थीं. उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह मुंबई के एक जिम से बाहर निकलती नजर आईं. वीडियो देखने के बाद कुछ लोगों ने अंदाजा लगाया कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं और तीसरी बार मां बनने वाली हैं. हालांकि, ये खबरें पूरी तरह गलत निकलीं. करीना की टीम ने साफ कर दिया कि वह प्रेग्नेंट नहीं हैं. एक करीबी सूत्र ने भी कहा, 卐करीना

तेजस्वी और फरहाना में हुई भिड़ंत

ओटीटी का पॉपुलर रियलिटी शो प्लेग्राउन्ड सीजन 5 में इन दिनों तेजस्वी प्रकाश और फरहाना भट्ट के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही है। दोनों की कैटफाइट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्लेग्राउन्ड सीजन 5 में इन दिनों तेजस्वी प्रकाश और फरहाना भट्ट के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही है। दोनों की कैटफाइट का वीडियो वायरल हो रहा है।

प्लेग्राउन्ड सीजन 5 में इन दिनों तेजस्वी प्रकाश और फरहाना भट्ट के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही है। दोनों की कैटफाइट का वीडियो वायरल हो रहा है।

ओटीटी का पॉपुलर रियलिटी शो प्लेग्राउन्ड सीजन 5 इन दिनों अपनी जबरदस्त कंट्रोवर्सी, गेम प्लान्स और तीखी लड़ाइयों की वजह से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस सीजन में मेंटर्स की भूमिका निभा रहे सितारे तेजस्वी प्रकाश (ह्लद्गद्भड्डह्यद्ब2द्ब श्चह्म्ड्डद्मड्डह्यद्ध), आरुष भोला और एल्विश यादव अपनी-अपनी टीमों को जिताने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं।

शो के अंदर और बाहर मेंटर्स और कंटेस्टेंट्स के बीच चल रही तनातनी ने दर्शकों के बीच इस शो की लोकप्रियता को और यादा बढ़ा दिया है। वहीं, शो का एक क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें तेजस्वी प्रकाश और फरहाना भट्ट के बीच कैट फाइट होती नजर आ रही है। सोशल मीडिया यूजर्स इनकी लड़ाई पर जमकर मौज काट रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए शो के नए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिसमें फरहाना भट्ट की एंट्री पर तेजस्वी प्रकाश के साथ उनकी जोरदार बहस देखने को मिली। प्रोमो की शुरुआत में फरहाना बेबाक अंदाज में एंट्री करती हैं और तेजस्वी पर तंज कसते हुए कहती हैं कि वह काफी समय से रील्स बना रही हैं और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, लेकिन हाल ही में एक ऐसी रील आई जो उन्होंने बनाई ही नहीं थी।

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने 3 मेडल जीते

- मानसी को सिल्वर, तानवी और कोमल को ब्रॉन्ज मिला

स्लोवाकिया (एजेंसी)। भारत की महिला पहलवानों ने अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में तीन और मेडल जीते। मानसी लाठर ने सिल्वर, जबकि तानवी मगदुम और कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में चल रही चैंपियनशिप के 68 किलोग्राम कैटेगरी के गोल्ड मेडल मैच में मानसी को चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार मिली। इसके चलते उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

- **तानवी ने कनाडा की पहलवान को हराया** – 57 किलोग्राम कैटेगरी में तानवी मगदुम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तानवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कोमल ने हंगरी की पहलवान को हराया – 59 किलोग्राम कैटेगरी में कोमल ने हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराया। कोमल ने यह मुकाबला जीतकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

बीसीसीआई के टाइटल स्पॉन्सर रेस में जेमिनी और एसबीआई लाइफ

- बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच, 2 साल में 35 घरेलू मैचों के अधिकार मिलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टाइटल स्पॉन्सर के अधिकारों की डील अभी फाइनल नहीं हुई है। BCCI को तय समय तक कोई ऐसी बोली नहीं मिली, जो उसकी उम्मीदों पर खरी उतरे। अब बोर्ड संभावित कंपनियों से सीधे बातचीत कर रहा है। गूगल का ढ्ढ ब्रांड जेमिनी, स्पिनी और एसबीआई लाइफ के नाम इस रेस में सामने आए हैं। बीसीसीआई ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त रखी थी। क्रिकबज के मुताबिक, या तो कोई बोली नहीं मिली या मिली हुई बोली बोर्ड की उम्मीद के मुताबिक नहीं थी। अब बीसीसीआई के पास सितंबर में घरेलू सीजन शुरू होने से पहले डील फाइनल करने का समय है।

- **बेस प्राइस 15.5 प्रतिशत बढ़ा** – बीसीसीआई ने टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए बेस प्राइस 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच रखा है। यह मौजूदा डील के मुकाबले करीब 15.5 प्रतिशत ज्यादा है। मौजूदा टाइटल स्पॉन्सर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक हर घरेलू इंटरनेशनल मैच के लिए बीसीसीआई को 4.2 करोड़ रुपए देता है। बैंक ने तीन साल पहले ये अधिकार हासिल किए थे।इस बार बीसीसीआई अधिकार सिर्फ दो साल के लिए बेच रहा है। यह डील 31 मार्च 2028 तक रहेगी। इस दौरान करीब 35 घरेलू इंटरनेशनल मैच होने की उम्मीद है।

दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की हत्या

- घर के बाहर कार में गोली मारी गई, साउथ अफ्रीका के ईस्टर्न केप की घटना

नईदिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 38 साल के टेटे को शुक्रवार को ईस्टर्न केप के मडांत्साने में उनके घर के बाहर निशाना बनाया गया। वह अपनी कार में बैठे थे और घर का गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी बलाक्लावा पहने दो हथियारबंद लोगों ने उनकी कार पर कई गोलियां चला दीं। हमले में टेटे के साथ कार में मौजूद 27 साल की महिला भी घायल हुई। उसे कई गोलियां लगी हैं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **11 सेकेंड में नॉकआउट, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया** – टेटे को बॉक्सिंग में 'लास्ट बॉर्न' के नाम से जाना जाता था। उनके नाम वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2017 में साउथ अफ्रीका के सिबोनिसो गोन्या को सिर्फ 11 सेकेंड में नॉकआउट किया था। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से

गिल के पास 3 हजार रन और 50 छक्के पूरे करने का मौका, सारांश जैन डेब्यू कर सकते हैं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। गॉल में 165 रन से जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारत की नजर सीरीज 2-0 से जीतने और तीन साल बाद विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज अपने नाम करने पर है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी टेस्ट सीरीज जीती थी। कप्तान शुभमन गिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में अभी 2,993 रन हैं। वह 7 रन बनाते ही 3,000 टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। इसके अलावा गिल 47 टेस्ट छक्के लगा चुके हैं और 3 छक्के लगाते ही 50 छक्के पूरे कर लेंगे।

जायसवाल पर भी बड़ी पारी का दबाव – ओपनर यशस्वी जायसवाल भी लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक लगाने के बाद उनकी पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आया है।गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की शॉर्ट गेंद पर कट खेलने की कोशिश में विकेट के पीछे कैच हो गए थे। कोलंबो के नेट्स में उन्होंने इस शॉट पर भी काम किया। भारतीय तेज गेंदबाजों और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी कर उन्हें कट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की, लेकिन जायसवाल ने कई गेंदें छोड़कर जवाब दिया।

सुथार पर फिर रहेंगी नजरें – गॉल टेस्ट में मानव सुथार ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। कोलंबो की पिच भी मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर्स की मदद कर सकती है। ऐसे में सुथार के साथ रवींद्र जडेजा की भूमिका अहम होगी।

जडेजा के पास भी दो रिकॉर्ड बनाने का मौका – रवींद्र जडेजा इस टेस्ट में दो व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 399 चौके हैं। एक चौका लगाते ही वह 400 चौके पूरे कर लेंगे। वहीं जडेजा 49 टेस्ट कैच भी ले चुके हैं। एक कैच और लेते ही उनके 50 टेस्ट कैच पूरे हो जाएंगे।

भारत की नजर 2-0 की जीत पर – गॉल में जीत के बाद भारत मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 53.33त्न पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर भारत कोलंबो टेस्ट जीतकर सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप करता है तो उसके ड्ढञ्जष्ट पॉइंट्स प्रतिशत 57.58 तक पहुंच सकते हैं और टीम के चौथे स्थान पर जाने की संभावना बनेगी।

भारत ने श्रीलंका से 23 टेस्ट जीते – भारत के खिलाफ श्रीलंका का टेस्ट रिकॉर्ड भी कमजोर है। दोनों टीमों के बीच अब तक 47 टेस्ट खेले गए हैं। भारत ने 23 और श्रीलंका ने 7 मैच जीते हैं, जबकि 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

कोलंबो की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को फायदा – सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ सकती है और पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाया जा सकता है।मैच आगे बढ़ने के साथ पिच सूखने लगेगी, जिससे स्पिनर्स को टर्न और उछाल मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है।

कुलदीप या सारांश, तीसरे स्पिनर पर फैसला बाकी

भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा चयन सवाल तीसरे स्पिनर को लेकर है। गॉल टेस्ट में कुलदीप यादव ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ एक विकेट लिया। वह टीम के सबसे महंगे गेंदबाज भी रहे।दूसरे टेस्ट में उनकी जगह ऑफ स्पिनर सारांश जैन को मौका मिलने की संभावना है। उन्होंने शुक्रवार को नेट्स में लंबा स्पेल किया और शुभमन गिल तथा ऋषभ पंत को गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या को देखते हुए सारांश को मौका मिल सकता है। हालांकि कुलदीप को बाहर करना अभी तय नहीं है। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतेले ने उनका बचाव किया है। उनका कहना है कि एक मैच के प्रदर्शन से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं किया जाना चाहिए। कुलदीप ने गॉल में मैच की जरूरत के अनुसार अपनी गेंदबाजी की दिशा और ट्रैजेक्टरी बदलने की कोशिश की थी। अंतिम फैसला पिच और टीम कॉम्बिनेशन को देखकर होगा।

गंभीर बोले- मेरा काम ट्रॉफी जीतना, लाइक्स-व्यूज देखना नहीं

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट टीम के हालिया प्रदर्शन पर हो रही आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उनका काम रैंकिंग या सोशल मीडिया के लाइक्स-व्यूज देखना नहीं, बल्कि टीम को ट्रॉफी जिताना है।श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो में गंभीर ने कहा कि भारत टेस्ट क्रिकेट में संघर्ष नहीं कर रहा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। भारत की टेस्ट टीम में पिछले कुछ समय में बड़े बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं। इसके बाद टीम में नए खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसी दौर में भारत को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत- यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज। श्रीलंका- लाहिरू उदारा, निशान फर्नांडो, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), सोनल दिनूषा, केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता। इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए.

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया। इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया.

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए। इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है.

वैभव सूर्यवंशी पर राहुल द्रविड़ बोले

वह अभी सिर्फ 15 साल का है...

मुंबई (एजेंसी)। व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने के बाद वैभव सूर्यवंशी अब रेड-बॉल में छाप छोड़ने वाले है. क्योंकि वो 23 अगस्त से शुरू होने वाले दिलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं. दिलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी को कम से कम दो लगातार फर्स्ट-क्लास मैच खेलने का मौका मिल सकता है, और अगर ईस्ट जोन फाइनल में पहुंचता है तो तीसरा मैच भी मिल सकता है.

वैभव को थोड़ा समय देना होगा – द्रविड़ ने कहा, वैभव ने शायद व्हाइट-बॉल क्रिकेट की तुलना में उतना रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है. वह अभी सिर्फ 15 साल का है, और मुझे लगता है कि आपको उसे थोड़ा समय देना होगा और उसके साथ धैर्य रखना होगा. जाहिर है कि उसे शुरुआत में ही बहुत सफलता मिली है, लेकिन उसे उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ेगा, और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ धैर्य रखना होगा। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उसे कुछ सफलता मिलेगी, लेकिन ऐसा समय भी आ सकता है जब चीजें उसके पक्ष में न हों. लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि वह अभी सिर्फ 15 साल का है और उसे अभी लंबा सफर तय करना है द्रविड़ को उम्मीद है कि सूर्यवंशी आगे चलकर टॉप लेवल पर रेड-बॉल क्रिकेट में भी अपनी जगह बना पाएगा और भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलने वाला खिलाड़ी बन सकेगा।

वैभव को रेड-बॉल में भी काफी समय मिलना चाहि

इस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने वैभव पर बड़ा बयान दिया है. उनका मानना है कि क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो सभी फॉर्मेट के क्रिकेटर बन सकें. साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 15 साल के इस खिलाड़ी को रेड-बॉल क्रिकेट के लिए काफी समय मिलना चाहिए। बता दें कि राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स में बतौर हेड कोच सूर्यवंशी को कोचिंग दी थी. उसी सीजन में वैभव ने आईपीएल में डेब्यू करके धमाल मचाया था. द्रविड़ ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी के विकास को सावधानी से संभालने की जरूरत है, ताकि व्हाइट-बॉल के मौकों और रेड-बॉल क्रिकेट के बीच संतुलन बना रहे। डबलिन में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग के अनावरण के दौरान द्रविड़ ने क्रिकइन्फो से कहा, मुझे लगता है कि आपको हमेशा वह संतुलन बनाना होता है. यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ व्हाइट-बॉल क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें वापस जाकर भारतीय घरेलू सिस्टम में रेड-बॉल क्रिकेट खेलने और अपने रेड-बॉल करियर को आगे बढ़ाने का समय भी मिल रहा है। सूर्यवंशी ने अब तक केवल आठ फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उनका औसत 17.25 रहा है. द्रविड़ का मानना है कि अपनी रेड-बॉल स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए इस युवा खिलाड़ी को इस फॉर्मेट में लगातार खेलने की जरूरत है।

दूसरे टेस्ट में स्टार्क का कहर, बांग्लादेश 64 रनों पर हुआ ढेर

मिशेल स्टार्क 10 ओवर में 6 मेडन 12 रन और 6 विकेट

डार्विन (एजेंसी)। डार्विन बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज का पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में शानदार वापसी की और मेहमान टीम की पहली पारी सिर्फ 64 रनों पर ही समेट दी. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहर बरपाते हुए 10 ओवर में सिर्फ 12 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें 6 मेडन ओवर भी शामिल थे. ये उनके करियर का 19वां फाइफर (पांच विकेट) था. इसके अलावा कमिंस ने 3 और हेजलवुड ने एक विकेट हासिल किए.

स्टार्क को वर्ल्ड रिकॉर्ड – अपने इस शानदार स्पेल की वजह से स्टार्क ने रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा लिया वो चार अलग अलग टेस्ट मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले, उन्होंने श्रीलंका (2016), इंग्लैंड (2021) और भारत (2024) में टेस्ट मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। बता दें कि इससे पहले वेस्टइंडीज के पेड्रो कॉलिन्स के नाम टेस्ट मैच की पहली गेंद पर तीन बार विकेट लेने का रिकॉर्ड था. भारत के ऑलराउंडर कपिल देव और इंग्लैंड के ऑलराउंडर रिचर्ड हैडली ने दो बार यह कारनामा किया था। इस मैच में स्टार्क ने सिर्फ 22 गेंदों में पांच विकेट चटकाए, जो पांच विकेट लेने का पांचवां सबसे तेज स्पेल बन गया.

उनके नाम पहले से ही 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 15 गेंदों में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है. जबकि इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड और ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दोनों ने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन को पांच विकेट लेने में 21 गेंदें लगी थीं. स्टार्क के टेस्ट विकेटों की कुल संख्या अब 441 हो गई है, और वह डेल स्टेन के 439 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सर्वकालिक टेस्ट विकेट की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश का लोवेस्ट टोटल

- 43 बनाम वेस्टइंडीज (2018)
- 53 बनाम साउथ अफ्रीका (2022)
- 62 बनाम श्रीलंका (2007)
- 64 बनाम ऑस्ट्रेलिया (2026)

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट खोकर 151 रन बना लिए हैं. जिसमें शरीफुल इस्लाम ने 6 विकेट लेकर मेजबान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया है।

बांग्लादेश 64 पर ऑलआउट

मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की बात करें तो में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला किया. जिस फैसले को तेज गेंदबाजों ने सही साबित कर दिखाया. एक समय बांग्लादेश का स्कोर 39/9 हो गया था और ऐसा लग रहा था कि वे 50 रन पूरे करने से पहले ही ऑल आउट हो जाएंगे. लेकिन, तैजुल इस्लाम और शरीफुल इस्लाम की जोड़ी ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 64 रन तक पहुंचा दिया. ये बांग्लादेश का टेस्ट क्रिकेट में चौथा सबसे लोवेस्ट टोटल है।

न्यूज. ब्रीफ

वन विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवक डॉ. यादव के प्रति व्यक्त करेंगे आभार

भोपाल। वन विभाग में शासकीय सेवकों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए 24 अगस्त को समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह सुबह 11 बजे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, नेहरू नगर, भोपाल में आयोजित होगा।समारोह में पदोन्नति प्राप्त वन विभाग के शासकीय सेवक वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को पूर्ण किए जाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करेंगे।इस अवसर पर वन विभाग में मानव संसाधन को और अधिक सशक्त बनाने तथा

सीएम मोहन यादव आज करेंगे कॉन्क्लेव का शुभारंभ

भोपाल । मध्यप्रदेश को वर्ष 2047 तक समृद्ध और विकसित राज्य बनाने की दिशा में 24 अगस्त को भोपाल में राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव सुबह 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के विकास के लिए केंद्रीय और राज्य संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव का विषय कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशंस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 रखा गया है। आर्थिक विकास और सामाजिक सशक्तिकरण पर चर्चा

पदोन्नति का इंतजार खत्म नहीं, भेदभाव का आरोप

भोपाल । वन विभाग में उप वन क्षेत्रपाल से वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति नहीं मिलने का मामला अब उच्च न्यायालय जबलपुर पहुंच गया है। उप वन क्षेत्रपाल संवर्ग के कर्मचारी संगठन की ओर से दायर याचिका क्रमांक 34988/2026 का पंजीयन 21 अगस्त 2026 को हुआ है। याचिका में मांग की गई है कि उप वन क्षेत्रपालों की पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूरी कर वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए जाएं।मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रधान अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार के पदोन्नति नियम 2025 के तहत वन विभाग में विभिन्न संवर्गों की पदोन्नति के आदेश जारी किए जा चुके हैं।

उद्योग की जमीन पर शोरूम-गोदाम और दूसरे कारोबार

भोपाल । प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए रियायती दरों पर आवंटित सरकारी जमीन का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वालों पर एमएसएमई विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। अप्रैल 2025 से जुलाई 2026 के बीच 45 जिलों में लीज की शर्तों का उल्लंघन करने वाली 891 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें 387 इकाइयों की लीज निरस्त की जा चुकी है, जबकि 61 भूखंड सरकार ने वापस ले लिए हैं। विभाग की जांच में सामने आया है कि कई जगह उद्योग लगाने के नाम पर आवंटित जमीन का इस्तेमाल शोरूम, गोदाम, होटल, किराना दुकान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। ऐसे मामलों में संबंधित इकाइयों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने या निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप उद्योग संचालित नहीं होने पर भूखंड वापस लिए जा रहे।

भोपाल में कई बड़े ग्रुप जांच के दायरे में

राजधानी के गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में कई बड़े ग्रुप भी जांच के दयरे में हैं। इन समूहों को औद्योगिक गतिविधियों के लिए जमीन आवंटित की गई थी। विभाग को यहां उद्योग के बजाय कार शोरूम समेत अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने की जानकारी मिली है। इन मामलों में भी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों और देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की साख अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 23 अगस्त 2023 को भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की थी। इसी दिन चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इस उपलब्धि ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में उतरने वाला पहला देश बनाया और पूरी दुनिया में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान की क्षमता का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे देश के वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े विशेषज्ञों की वर्षों की मेहनत, प्रतिभा और समर्पण है। उनके योगदान पर संपूर्ण देश को गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। अंतरिक्ष कार्यक्रमों की उपलब्धियां देश के युवाओं और विद्यार्थियों को विज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। डॉ. यादव ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इस मिशन से जुड़े सभी लोगों को नमन करते हुए कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा आने वाले समय में देश के विकास और आत्मनिर्भरता को नई गति प्रदान करेगी।

सीएम ने विभिन्न जिलों के बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दे रहे हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित बलराम कृषि महोत्सवों में किसानों को आधुनिक तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, प्राकृतिक खेती और शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी व्यस्तताओं के बावजूद इन महोत्सवों में किसानों से संवाद कर रहे हैं। उन्होंने गत दिवस नई दिल्ली से शिवपुरी के किसानों से वर्चुअली चर्चा की। इससे पहले अशोकनगर, गुना, विदिशा, रायसेन, भोपाल, राजगढ़, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, उज्जैन और खरगोन सहित अनेक जिलों के महोत्सवों में वर्चुअल सहभागिता की। अलीराजपुर में वे स्वयं कार्यक्रम में शामिल हुए। महोत्सवों में किसानों को डिजिटल कृषि सेवाओं, मौसम आधारित खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, ड्रोन तकनीक, स्मार्ट सिंचाई, उन्नत कृषि यंत्रों और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञ बदलती जलवायु के अनुरूप खेती, फसल प्रबंधन और जोखिम कम करने के उपाय भी बता रहे हैं। मुख्यमंत्री किसानों को किसान आईडी बनवाने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं। यह डिजिटल कृषि मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से किसानों से संबंधित विभिन्न जानकारियों को एक डिजिटल पहचान से जोड़ा जा रहा है। डॉ. यादव प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दे रहे हैं। उनका कहना है कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी और जल संरक्षण के साथ खेती की लागत कम करने तथा किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार पूरे वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है, जिसके तहत किसानों को आधुनिक तकनीक और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस में बदलाव

भोपाल । भोपाल से ग्वालियर के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने अहम बदलाव किया है। पश्चिम मध्य रेल की ट्रेन संख्या 12197/12198 भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस का एक रेक अब आधुनिक एलएचबी कोच से संचालित होगा। यह बदलाव 25 अगस्त 2026 से लागू किया जाएगा। इससे यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक आरामदायक और आधुनिक कोच की सुविधा मिलेगी। फिलहाल इस ट्रेन के कुल तीन रेक संचालित किए जा रहे हैं। इनमें से एक रेक को आईसीएफ कोच से बदलकर एलएचबी कोच में परिवर्तित किया जा रहा है। अभी इस रेक में 21 आईसीएफ कोच हैं, जबकि बदलाव के बाद इसमें 18 एलएचबी कोच होंगे। बाकी दो रेक फिलहाल पहले की तरह 21 आईसीएफ कोच के साथ ही चलते रहेंगे। एक रेक में 18 कोच, 12 सामान्य श्रेणी के नए एलएचबी रेक की संरचना यात्रियों की जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें 12 सामान्य श्रेणी, 3 स्लीपर श्रेणी, 1 थर्ड एसी, 1 एलएसआरडी और 1 जनरेटर कार शामिल होगी। यानी एक रेक में कुल 18 कोच रहेंगे। एलएचबी कोच से बढ़ेगी यात्रा की सुविधा एलएचबी कोच आधुनिक डिजाइन और बेहतर यात्री सुविधाओं के लिए जाने जाते हैं। रेलवे की ओर से इस बदलाव का उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और आधुनिक रेल यात्रा उपलब्ध कराना है। भोपाल-ग्वालियर मार्ग पर नियमित सफर करने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। एलएचबी में बदला जा रहा है। शेष दो रेक 21 आईसीएफ कोच की मौजूदा संरचना में ही संचालित होते रहेंगे। इसलिए सभी फेरों में एलएचबी कोच की व्यवस्था एक साथ लागू नहीं होगी।

फ्लू-त्वचा संक्रमण के मरीज बढ़े

बारिश के साथ बढ़ा बीमारियों का दबाव, ओपीडी में 20 प्रतिशत तक उछाल

जुलाई में जेपी अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में रोजाना औसतन 120 से 150 मरीज आते थे, जो अगस्त में बढकर 200 से अधिक हो गए हैं।

भोपाल । लगातार बारिश और जलभराव के बीच राजधानी में मौसमी बीमारियों का असर अस्पतालों की ओपीडी में दिखाई देने लगा है। जेपी अस्पताल, हमीदिया अस्पताल और एम्स भोपाल की मेडिसिन ओपीडी में जुलाई की तुलना में अगस्त में मरीजों की संख्या बढ़ी है। खांसी, जुकाम, बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों के साथ बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। इसके अलावा बारिश के कारण त्वचा संक्रमण के मामलों में भी करीब 20 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अगस्त में भोपाल में स्वाइन फ्लू के छह मामले सामने आए हैं और सभी मरीज रिकवर कर चुके हैं। संभावित संक्रमण की निगरानी के लिए हमीदिया अस्पताल में वायरस जांच की किट मंगाई गई है, जबकि एम्स भोपाल में जांच की सुविधा पहले से उपलब्ध है। बारिश के साथ वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या में तेजी आई है। जुलाई में जेपी अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में रोजाना औसतन 120 से 150 मरीज आते थे, जो अगस्त में बढकर 200 से अधिक हो गए हैं। हमीदिया में यह संख्या 150-160 से बढकर 230 से 280 और एम्स भोपाल में 200-230 से बढकर करीब 300 मरीज प्रतिदिन तक पहुंच गई है।

तालाब में कई बार चलाया गया सर्चिंग ऑपरेशन, नहीं मिले अंडकोष

1.20 करोड़ की लालच में किशोर की हत्या कर प्रायवेट पार्ट काटने का मामला

भोपाल । राजधानी के श्यामला हिल्स थाना इलाके में 1 करोड़ 20 लाख की लालच में 17 वर्षीय किशोर की हत्या के बाद उसके अंडकोष काटने के सनसनीखेज मामले में पुलिस कई बिंदुओ पर लगातार आगे की छानबीन में जुटी है। गोताखोरो ने की तालाब की कई बार सर्चिंग, नहीं मिले अंडकोष आरोपियो ने पुलिस को किशोर की हत्या के बाद उसके काटे गए अंडकोष छोटे तालाब में फेंकने की बात बताई थी। अहम साक्ष्य जुटाने के लिये पुलिस आरोपियों की निशानदेही पर गोताखोरो की मदद से छोटे तालाब में तीन बार सर्चिंग कर चुकी है। हर बार उस स्थान के आसपास तलाश की गई जहां आरोपियों ने अंग फेंकने की बात बताई थी। सर्चिंग के दौरान पुलिस को केवल एक पॉलीथिन मिली थी। आरोपियों ने दावा किया था कि इसी पॉलीथिन में किशोर के काटे गए अंग तालाब में फेंके थे। हालांकि पॉलीथिन के अंदर अंडकोष नहीं मिले। पुलिस को आशंका है कि तालाब में कई दिन तक पड़े रहने के कारण अंडकोष डी-कम्पोज हो गए हों। पानी में मौजूद जीव-जंतुओं और कीड़ों से उन्हें नुकसान पहुंचने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। अंगों के तालाब की मिट्टी में ही रह जाने या पानी के बहाव के साथ दूसरी जगह पहुंचने की भी आशंका है। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है, और संभावित स्थानों पर तलाश जारी है। बैंक ट्रांजेक्शन खंगाल रही पुलिस हत्याकांड के मुख्य आरोपी जोहेब के खाते में हाल ही में 12 लाख रुपए क्रेडिट होने की सूचना सामने आई थी। हालांकि पुलिस की तस्दीक में खाते में 12 लाख रुपए जमा होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अब सभी आरोपियों के बैंक खातों की लेन-देन हिस्ट्री खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि वारदात से पहले या बाद में किसी बाहरी व्यक्ति से आरोपियों को रकम मिली थी या नहीं। इसके साथ ही मोबाइल फोन, कॉल डिटेल की भी जांच की जा रही है। 5 अगस्त को रची थी साजिश, 6 को कर दी हत्या पुलिस पड़ताल में खुलासा हुआ की आरोपियों ने 5 अगस्त को ही हत्या करने की साजिश रची थी। इसके बाद अगले दिन 6 अगस्त की रात 100 रुपए का लालच देकर नाबालिग को किलोल पार्क के करीब घोबीघाट पर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। अंडकोष निकालने के लिए नया शेविंग ब्लेड खरीदा गया था। वहीं हत्या के लिए छुरी बुधवारा में रहने वाला नाबालिग आरोपी अपने साथ लेकर पहुंचा था।

सेना की वीर नारियों एवं सैन्य परिवार कल्याण दिवस पर निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

भोपाल। *पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल द्वारा मिलिट्री हॉस्पिटल, 3 ईएमई सेंटर, भोपाल में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य वीर नारियों, वीर माताओं एवं सैनिकों की पत्नियों को आयुर्वेद के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. उमेश शुक्ला एवं अधीक्षक डॉ. हरि प्रकाश शर्मा के निर्देशन में शिविर संचालित हुआ। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. भारती दादलानी ने लाभार्थियों का आयुर्वेद पद्धति से स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी समस्याओं के अनुसार आवश्यक परामर्श और उपचार प्रदान किया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर श्रीनिवासन, कमांडेंट, मिलिट्री अस्पताल भोपाल तथा कर्नल सनी जुनेजा की गरिमामयी उपस्थिति रही। वीर नारियों, वीर माताओं और सैनिकों की पत्नियों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। बड़ी संख्या में लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया गया। शिविर में निःशुल्क रक्त शर्करा जांच की गई तथा आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेदिक औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया। लाभार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने शिविर में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण, रोगियों के मूल्यांकन और चिकित्सा कार्य में चिकित्सकों का सहयोग किया। शिविर में रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन, आयुर्वेदिक जीवनशैली तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। संस्थान की यह पहल सामाजिक सरोकार और जनकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।*

पुत्रदा एकादशी पर सामूहिक पाठ से गूंजा मंदिर परिसर, आज शाम 5 बजे होगा सामूहिक रुद्राभिषेक

श्रावण के अंतिम सोमवार पर दादाजी धाम में उमड़ेगी शिवभक्ति

भोपाल। रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को विशेष शिव आराधना का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले पुत्रदा एकादशी के अवसर पर मंदिर में भगवान श्रीहरि विष्णु एवं माता लक्ष्मी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-शांति, संतान कल्याण एवं सर्वजन मंगल की प्रार्थना की गई। सुबह 9 से 10:15 बजे तक श्री हनुमान चालीसा एवं श्री गुरु गीता का सामूहिक पाठ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की।मंदिर अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर आज शाम 5 बजे पंडित राजेंद्र पलिया के मार्गदर्शन में सामूहिक रुद्राभिषेक आयोजित किया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का जल, दूध एवं पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इस दौरान विश्व कल्याण, सुख-शांति, आरोग्य एवं सर्वजन मंगल की कामना की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्रावण मास का प्रत्येक सोमवार भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है।

सरकारी नर्सिंग कॉलेजों की व्यवस्थाओं पर एनएसयूआई ने उठाए सवाल

प्राचार्य-उप प्राचार्य के पद खाली, फैकल्टी की भी कमी

भोपाल। निजी नर्सिंग कॉलेजों में अनियमितताओं को लेकर चल रही जांच और विवाद के बीच अब प्रदेश के शासकीय नर्सिंग कॉलेज भी सवालों के घेरे में हैं। एनएसयूआई ने सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में प्राचार्य, उप प्राचार्य और शैक्षणिक फैकल्टी के पद खाली होने का दावा करते हुए मान्यता प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। संगठन ने कुछ कॉलेजों द्वारा कथित तौर पर गलत या कूटरचित अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए जाने का आरोप लगाया है। रविवार को भोपाल में आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार, अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और अधिवक्ता अंशुल तिवारी ने सरकारी नर्सिंग कॉलेजों की व्यवस्थाओं को लेकर आरोप लगाए।

20 किलोमीटर में आने वाले टोल नाकों के लिए बनेंगे मासिक पास

भोपाल । नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने तय किया है कि जहां डिजिटल फास्टैक लोकल पास सुविधा शुरू की जाए, जिससे टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले स्थानीय लोग कम शुल्क पर मासिक पास बनवा सकें। यह सुविधा ऑनलाइन देने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि लोगों को जबरन चक्कर ना काटना पड़े। इंदौर में ही बायपास पर इसी तरह का टोल वसूल किया जाता है और आसपास कई कॉलोनियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुल गए हैं, जहां लोगों को रोजाना आना-जाना पड़ता है और आए दिन इसे लेकर विवाद भी होते हैं। अभी नेशनल हाईवे ने इंदौर और उसके आसपास के ऐसे 10 टोल नाके चिन्हित भी किए हैं, जहां पर यह मासिक पास की सुविधा मिलेगी। नेशनल हाईवे को लेकर पहले यह माना जाता था कि सडक की गुणवत्ता से लेकर उसकी कार्यप्रणाली बेहतर रही है। मगर पिछले कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से सडकों के टूटने से लेकर कई तरह के घोटालों की जानकारी तो सामने आ ही रही है, वहीं टोल नाकों के जरिए भी लूटपाट जारी है।

96 प्रतिशत परिवारों को मिला घर बनाने का प्लॉट

भूमिहीनों को जमीन देने में मप्र देश में दूसरे नंबर पर

भोपाल । ग्रामीण भूमिहीन परिवारों को अपना घर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने के मामले में मध्यप्रदेश ने देश में मजबूत प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत प्रदेश में चिन्हित 38,490 भूमिहीन परिवारों में से 36,890 को जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। यानी मध्यप्रदेश ने अपने लक्ष्य का 95.84 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया है। प्रतिशत के आधार पर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। इससे आगे केवल छत्तीसगढ़ है, जहां 99.81 प्रतिशत पात्र भूमिहीन परिवारों को जमीन मिल चुकी है। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में दिए जवाब में देशभर में भूमिहीन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने की स्थिति की जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में अभी 1,600 परिवारों को जमीन मिलना बाकी है। कुल पात्र परिवारों में यह हिस्सेदारी 4.16 प्रतिशत है। संख्या में चौथे, उपलब्धि के प्रतिशत में दूसरे मध्यप्रदेश में 36,890 परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई है। हालांकि कुल परिवारों की संख्या के लिहाज से प्रदेश देश में चौथे स्थान पर है। महाराष्ट्र में 1,21,202, राजस्थान में 63,925 और असम में 41,202 भूमिहीन परिवारों को जमीन दी गई है। लेकिन जब चिह्नित भूमिहीन परिवारों के मुकाबले जमीन उपलब्ध कराने की दर देखी जाती है तो तस्वीर बदल जाती है। इस पैमाने पर मध्यप्रदेश 95.84प्रति. उपलब्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। यानी प्रदेश ने बड़ी संख्या में पात्र परिवारों को जमीन देने के साथ अपने कुल लक्ष्य के अनुपात में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। 1,600 परिवारों के लिए जमीन देना बाकी प्रदेश में अभी 1,600 भूमिहीन परिवार ऐसे हैं, जिन्हें आवास निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराई जानी बाकी है। सरकार के सामने अब इन परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने के साथ 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने की चुनौती है। भूमिहीन परिवारों के लिए जमीन उपलब्ध होना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की महत्वपूर्ण कड़ी है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)